

भामरा में स्कूल वापसी अभियान का शंखनाद

युवाओं और स्कूल स्टाफ ने रैतीले रास्तों पर धूप में घर-घर दी दस्तक



जिस

तारानगर (नवयत्न)। ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा की अलख जगाने और ड्रॉप आउट (स्कूल छोड़ चुके) बच्चों को दोबारा पढ़ाई से जोड़ने के लिए भामरा गांव में एक विशेष और सराहनीय पहल की शुरुआत हुई है। गांव के जागरूक युवाओं और राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के स्टाफ ने संयुक्त रूप से स्कूल वापसी अभियान (नई सुबह) का आगाज किया है। अभियान के पहले ही दिन टीम के सदस्यों ने गांव के रैतीले रास्तों और तेज धूप की परवाह किए बिना उन घरों में दस्तक दी, जिनके बच्चे लंबे समय से स्कूल से अनुपस्थित चल रहे हैं या जिन्होंने बीच में ही पढ़ाई छोड़ दी है। युवाओं और शिक्षकों ने अभिभावकों से सीधा संवाद कर उन्हें शिक्षा के महत्व से रूबरू कराया और बच्चों को दोबारा स्कूल भेजने के लिए प्रेरित किया। टीम की इस समझाइश का सकारात्मक असर देखने को मिला और कई अभिभावक अपने बच्चों को नियमित स्कूल भेजने के लिए तैयार हुए।

इस टीम ने संभाली कमान

इस अभियान में गांव के युवा जेपी पटीर, नेतराम माहर, मानकचंद, गौरीशंकर च्यान सहित राजकीय स्कूल का स्टाफ प्रवी मुस्तैदी से जुटा रहा। ग्रामीणों ने युवाओं के इस निस्वार्थ प्रयास का स्वागत किया है।

आगे की राह आसान करेगा बरखा बीएमआर फाउंडेशन

इस मुहिम को धरातल पर लगातार जारी रखने और बच्चों को स्थाई रूप से संबल देने के लिए गांव के युवाओं ने एक अहम घोषणा की है। युवाओं की टोली जल्द ही गांव में बरखा बीएमआर फाउंडेशन की स्थापना करेगी। इस संस्था का उद्देश्य भामरा (बीएमआर) गांव के उन होनहार और जरूरतमंद बच्चों को संभालना होगा जो आर्थिक तंगी या किताबों-संसाधनों की कमी के कारण आगे नहीं पढ़ पाते। इस संबंध में जेपी पटीर ने कहा हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि संसाधनों की कमी किसी भी बच्चे के भविष्य में रुकावट न बने। यह फाउंडेशन हर उस बच्चे की हर संभव मदद करेगा जो पढ़ना और आगे बढ़ना चाहता है, ताकि गांव का कोई भी बच्चा शिक्षा की मुख्यधारा से न छूटे।

गणेशोत्सव में सजा बंगाली बाबा का दरबार, 2500 किलो लड्डुओं की प्रसादी



जिस

जयपुर (नवयत्न)। दिल्ली रोड स्थित बंगाली बाबा गणेश मंदिर में दो दिवसीय गणेश चतुर्थी महोत्सव रविवार को प्रथम पूज्य गणेशजी के पंचामृत अभिषेक सहित विभिन्न धार्मिक आयोजनों के साथ शुरू हुआ। इस दौरान सिंजारा भी मनाया गया। पंचामृत अभिषेक के दौरान मंदिर परिसर और आसपास का क्षेत्र गणेशजी के जयकारों से गुंज उठा। सोमवार को गणेश चतुर्थी महोत्सव मनाया जाएगा। मंदिर प्रबंध समिति के मुख्य संरक्षक रघुवीर शरण अग्रवाल, अध्यक्ष नारायण लाल अग्रवाल और उपाध्यक्ष संजय पतंग वाला ने बताया कि महोत्सव की शुरुआत गणेशजी के पंचामृत अभिषेक से हुई। इसके बाद गौरीसुत को सिंदूर अर्पित कर सीमायय देवी पूजन, चंद्राचन, मेहेंदी और सीमायय अर्चन की विधियां संपन्न कराई गईं। इस अवसर पर महिलाओं को मेहेंदी लगाई और भक्तों को मेहेंदी का वितरण भी किया गया। महामंत्री गणेश लूनीवाल और कोषाध्यक्ष विष्णु अग्रवाल ने बताया कि सोमवार को गणेश चतुर्थी मनाई जाएगी। सुबह 5 बजे गणेशजी को मोदक अर्पित किए जाएंगे। दोपहर 1 बजे महाअरती और बेंड वादन होगा। इस अवसर पर गणेशजी का आकर्षक श्रृंगार किया जाएगा। शाम 6 बजे भजन संध्या होगी, जिसमें स्थानीय कलाकार भजनों के माध्यम से प्रथम पूज्य गणेशजी का गुणगान करेंगे। गणेश चतुर्थी महोत्सव में भक्तों के लिए करीब 2500 किलो लड्डु की प्रसादी तैयार की जा रही है। इसके लिए 1000 किलो चीनी, 400 किलो घी और 400 किलो बेसन का उपयोग किया जा रहा है। कारीगर लड्डु तैयार करने में जुटे हुए हैं।

प्राचीन श्याम पांडिया धाम में भरा दो दिवसीय मेला

जिस

तारानगर (नवयत्न)। तहसील के कैलाश गांव में स्थित प्राचीन श्याम पांडिया धाम में वार्षिक मेला भरा। भाद्रपद अमावस्या के उपलक्ष्य पर ऐतिहासिक श्याम पांडिया में रात्रि को विशाल जगणल का आयोजन हुआ। जिसमें स्थानीय कलाकारों ने एक से बढ़कर एक भजनों की शानदार प्रस्तुतियां दीं। देर रात तक श्रिताओं ने भजनों का आनंद किया। मंदिर में रात्रि को व दूसरे दिन दिनभर भक्तों का तांता लगा रहा। बाबा श्याम पांडिया के धोक लगाकर मन्नत मांगी गई। इसके साथ ही महिलाओं ने धाम में स्थित पवित्र तालाब में स्नान कर पुण्य कमाया।

माय भारत पोर्टल एवं विकसित भारत क्रिज पंजीकरण हेतु शिविर आयोजित

जिस

तारानगर (नवयत्न)। राजकीय महिला महाविद्यालय, तारानगर में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा माय भारत पोर्टल एवं विकसित भारत क्रिज पंजीकरण हेतु एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य छात्राओं को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ने हुए राष्ट्र निर्माण संबंधी गतिविधियों में उनकी सहभागिता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम का संचालन एनएसएस प्रभारी डॉ अंकिता द्वारा किया गया। शिविर के दौरान स्वयंसेविकाओं को माय भारत पोर्टल पर पंजीकरण की प्रक्रिया समझाई गई



तथा उन्हें विकसित भारत क्रिज के लिए ऑनलाइन पंजीकरण करवाया गया। छात्राओं ने

नगर पालिका बोर्ड बनाने में निर्दलीयों की रहेगी अहम भूमिका

भाजपा-कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत मिलता नजर नहीं आ रहा, निर्दलीयों पर टिकी निगाहें

ललित दाधी

राजलदेसर (नवयत्न)। राजलदेसर नगर पालिका चुनाव का मतदान संपन्न होने के बाद अब कस्बे की गलियों, चौराहों और चाय की दुकानों पर चुनावी चर्चा ने जोर पकड़ लिया है। हर कोई अपने-अपने प्रत्याशी की जीत के दावे कर रहा है, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा इस बात को लेकर है कि राजलदेसर नगर पालिका में आखिर किसका बोर्ड बनेगा ? जनमानस के बीच चल रही चर्चाओं और वार्डवार मुकाबले के आकलन के अनुसार इस बार भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दलों को स्पष्ट बहुमत मिलता नजर नहीं आ रहा है। ऐसे में नगर पालिका में बोर्ड बनाने के लिए निर्दलीय पार्षदों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो सकती है। यही कारण है कि दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों की निगाहें अब संभावित निर्दलीय विजेताओं पर टिकी हुई हैं। बताया जा रहा है कि भाजपा और कांग्रेस दोनों की ओर से अपने-अपने प्रत्याशियों से संपर्क और बाड़ाबंदी की कवायद भी शुरू कर दी गई है। दोनों दलों के नेता अपने-अपने बोर्ड बनने का दावा कर रहे हैं, लेकिन इस बार अधिकांश वार्डों में कांटे की टक्कर के चलते चुनाव परिणाम को लेकर तस्वीर पूरी तरह साफ नहीं है। लोगों का कहना है कि इस बार



कई वार्डों में मुकाबला इतना करीबी रहा कि जीत-हार का अनुमान लगाना मुश्किल है। ऐसे में 14 सितंबर को सामने आने वाले परिणाम कई राजनीतिक समीकरणों को बदल सकते हैं। इस चुनाव में पिछले कार्यकाल के दौरान पालिका में कथित भ्रष्टाचार और विकास कार्यों को लेकर उठे सवाल भी प्रमुख मुद्दा रहे। यदि वास्तव में जनता ने इन मुद्दों को ध्यान में रखते हुए मतदान किया है तो परिणाम में कुछ चौंकाने वाले उलटफेर देखने को मिल सकते हैं। वहीं इस चुनाव में भाजपा और कांग्रेस के कई दिग्गज नेताओं की प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी हुई है। इनमें कांग्रेस के पूर्व पालिका अध्यक्ष हंसराज पारीक की पुत्रवधू ज्योति पारीक भाजपा के लगातार तीन बार मंडल अध्यक्ष रह चुके वर्तमान जिला प्रवक्ता पवन बोथरा,

पूर्व पालिका अध्यक्ष गोपाल मारु, भाजपा नगर अध्यक्ष विष्णु प्रजापत, कांग्रेस नगर अध्यक्ष जब्बार खोखर, पूर्व पालिका उपाध्यक्ष चंद्र प्रकाश चिंटाला, पूर्व पालिका उपाध्यक्ष ओमप्रकाश कठारिया, एडवोकेट सतीश मारु, कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष लाभचंद सोनी, कामगार समाज के अध्यक्ष एवं निर्दलीय प्रत्याशी जयचंद महावर, पूर्व पार्षद धनपत शर्मा, कामरेड आर्यवीर भादर भामू, प्रदीप पांडे सहित कई प्रमुख नाम शामिल हैं। इन सभी नेताओं और प्रत्याशियों का राजनीतिक भविष्य एवं ईवीएम में कैद हो चुका है। 14 सितंबर को मतगणना के बाद ही पता चलेगा कि जनता का जनादेश किसके पक्ष में जाता है और किसका राजनीतिक कद बढ़ता या घटता है। कांग्रेस के पूर्व पालिका अध्यक्ष हंसराज पारीक

और कांग्रेस नगर अध्यक्ष खेमचंद बरड़िया का दावा है कि जनता ने इस बार कांग्रेस का बोर्ड बनाने का मन बना लिया है। वहीं भाजपा जिला प्रवक्ता पवन बोथरा का कहना है कि इस बार भाजपा पूर्ण बहुमत हासिल कर नगर पालिका में अपना बोर्ड बनाएगी। दोनों प्रमुख दलों के दावों के बीच अब सबकी नजरें 14 सितंबर की मतगणना पर टिकी हैं। मतगणना सुबह करीब 10 बजे तक चुनावी तस्वीर काफी हद तक साफ होने की उम्मीद है। फिलहाल राजलदेसर में चुनावी चर्चाओं का बाजार गर्म है और यदि स्थानीय आकलन सही साबित हुआ तो इस बार निर्दलीय प्रत्याशियों की बल्ले-बल्ले होना तय माना जा रहा है। बोर्ड बनाने की चाबी भी इन्हीं निर्दलीय पार्षदों के हाथ में आ सकती है।

आज होगी राजलदेसर नगरपालिका चुनाव की मतगणना



ललित दाधी

राजलदेसर (नवयत्न)। राजलदेसर नगरपालिका चुनाव 2026 के तहत 35 वार्डों में हुए मतदान के बाद अब सभी की निगाहें आज होने वाली मतगणना पर टिकी हैं। नगरपालिका में किस प्रत्याशी को जीत मिलेगी और किस राजनीतिक दल या निर्दलीय प्रत्याशियों की भूमिका अहम रहेगी, इसका फैसला मतगणना के बाद सामने आएगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार राजकीय महाविद्यालय राजलदेसर के कमरा नंबर 03 में मतगणना करवाई जाएगी। मतों की गणना के लिए कुल 5 मतगणना टेबल लगाई जाएगी तथा 35 वार्डों के मतों की गणना कुल 7 राउंड में पूरी होगी। रिटर्निंग अधिकारी प्यारेलाल चावला ने बताया कि मतगणना की प्रक्रिया सुबह 8 बजे से शुरू होगी। मतदान के बाद ईवीएम को राजकीय महाविद्यालय में बनाए गए स्ट्रॉन रूम में सुरक्षित रखा गया है। स्ट्रॉन रूम की सुरक्षा के लिए 5 आरएसी जवान तथा राजलदेसर पुलिस थाने के 5 जवान तैनात किए गए हैं। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस एवं प्रशासन की ओर से लगातार निगरानी रखी जा रही है। थानाधिकारी द्वारा मतगणना स्थल एवं स्ट्रॉन रूम का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। मतगणना को व्यवस्थित एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न करवाने के लिए चूल्हा से एक मतगणना सहायक सुपरवाइजर तथा एक सहायक अधिकारी को नियुक्त किया जाएगा। मतगणना स्थल पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों की इयूटी निर्धारित की गई है। मतगणना के दौरान निर्धारित

नियमों एवं निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार पूरी प्रक्रिया संपन्न करवाई जाएगी। मतदान समाप्त होने के बाद से ही प्रत्याशी और उनके समर्थक अपने-अपने वार्ड में जीत-हार के समीकरणों को लेकर चर्चाओं में जुटे हैं। गली-मोहल्लें, चौराहों और चाय की दुकानों पर वार्डवार परिणामों को लेकर अलग-अलग कयास लगाए जा रहे हैं। अब 14 सितंबर को मतगणना शुरू होने के साथ ही इन कयासों पर विराम लगेगा और वास्तविक परिणाम सामने आएंगे। मतगणना के दौरान प्रत्येक राउंड के परिणाम पर प्रत्याशियों और उनके समर्थकों की नजर रहेगी।

खासतौर पर उन वार्डों में मुकाबला दिलचस्प रहने की उम्मीद है, जहां प्रत्याशियों के बीच कांटे की टक्कर बताई जा रही है। राजलदेसर नगरपालिका के 35 वार्डों के परिणाम सामने आने के बाद नगरपालिका में किस दल को बहुमत मिलेगा और किसका बोर्ड बनेगा, यह भी स्पष्ट हो जाएगा। यदि किसी एक दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलता है तो ऐसी स्थिति में निर्दलीय पार्षदों की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। यही वजह है कि मतगणना के परिणामों को लेकर राजनीतिक दलों के साथ-साथ आमजन में भी ख़ासा उत्साह और उत्सुकता बनी हुई है। अब सभी की निगाहें 14 सितंबर की सुबह पर टिकी हैं। सुबह 8 बजे मतगणना शुरू होने के साथ ही राजलदेसर नगरपालिका के 35 वार्डों की तस्वीर धीरे-धीरे साफ होती जाएगी और अंततः नगरपालिका की नई राजनीतिक तस्वीर सामने आएगी।

नगर निकाय चुनाव : जयपुर निगम समेत 18 मतगणना केंद्रों पर 270 टेबल

जिस

जयपुर (नवयत्न)। नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 के तहत नगर निगम जयपुर एवं जिले की विभिन्न नगर परिषद, नगर पालिकाओं के अधीन वार्डों की मतगणना के लिए निर्धारित स्थलों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। नगर निगम जयपुर के 150 वार्डों की मतगणना श्री भवानी निकेतन कॉलेज ऑफ फार्मेसी, सीकर रोड, जयपुर में की जाएगी। यहां ईवीएम संग्रहण एवं मतगणना कार्य के लिए कुल 15 मतगणना कक्षों में 150 टेबल निर्धारित की गई हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी (निकाय) एवं जिला कलक्टर सन्देश नायक ने बताया कि नगर निगम जयपुर की मतगणना व्यवस्था के तहत वार्ड 1 से 150 तक की मतगणना संबंधित विधानसभा क्षेत्र एवं वार्ड क्रमांक के अनुसार निर्धारित मतगणना कक्षों में होगी। विद्याधर नगर, झोटवाड़ा, सांगानेर, बगरू, मालवीय नगर, सिविल लाइन्स, किशनपोल, आदर्श नगर, हवामहल एवं आमेर क्षेत्र के वार्डों के लिए निर्धारित कक्षों में मतगणना टेबलों की व्यवस्था की गई है। आदेश में प्रत्येक मतगणना कक्ष के लिए संबंधित वार्डों तथा टेबलों की संख्या निर्धारित की गई है। जिले की 2 नगर परिषद 16 नगर पालिकाओं की मतगणना के लिए संबंधित



नगरीय निकाय क्षेत्रों में निर्धारित विद्यालयों एवं अन्य स्थलों पर 18 मतगणना कक्षों में कुल 120 टेबल निर्धारित की गई हैं। इनमें कानोता के लिए महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय कानोता में 7 टेबल, वाटिका के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय सामुदायिक केन्द्र वाटिका में 9 टेबल, जमवारामगढ़ के लिए पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जमवारामगढ़ में 9 टेबल, मनोहरपुर के लिए पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मनोहरपुर में 6 टेबल, सिविल लाइन्स, किशनपोल, आदर्श नगर, उच्च माध्यमिक विद्यालय शाहपुरा में 10 टेबल, फागी के लिए कार्यालय पंचायत समिति फागी में 4 टेबल, दूदू के लिए राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, मालपुरा रोड दूदू में 8 टेबल, सांभर के लिए राजकीय शाकम्भर स्नातकोत्तर महाविद्यालय सांभरलेक में 5 टेबल, चाकसू के

श्रमदान से बदली न्यायालय पार्किंग की तस्वीर, एक ट्रॉली कचरा हटाय़ा



जिस

बीकानेर (नवयत्न)। हर सप्ताह कुछ समय राष्ट्र के नाम समर्पित करने के संकल्प के साथ चलाए जा रहे टीम आवर फॉर नेशन के साप्ताहिक स्वच्छता अभियान के तहत रविवार को न्यायालय परिसर के पार्किंग क्षेत्र एवं कलेक्ट्रेट कार्यालय के पास स्थित पब्लिक पार्क में सामूहिक श्रमदान किया गया। अभियान के दौरान न्यायालय पार्किंग क्षेत्र में लंबे समय से जमा कचरे, झाड़ियों और अनावश्यक वस्तुनिष्ठ को हटाया गया। पार्किंग के मुख्य गेट के आसपास झाड़ियां इतनी अधिक बढ़ गई थी कि गेट खोलने-बंद करने के साथ-साथ आवाजाही में भी परेशानी हो रही थी। टीम के सदस्यों ने श्रमदान कर क्षेत्र की सफाई की और गेट के आसपास का रास्ता सुगम बनाया। सफाई अभियान के दौरान करीब एक ट्रैक्टर-ट्रॉली कचरा एवं

सिमसिया बीदावतान में विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास विधायक ने की अतिरिक्त कक्षा-कक्षा की घोषणा



ललित दाधी

राजलदेसर (नवयत्न)। तहसील के निकटवर्ती ग्राम सिमसिया बीदावतान में रविवार को विधायक निधि सहित विभिन्न योजनाओं से स्वीकृत विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास रतनगढ़ विधायक प्रसाराम गोदारा ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रशासक परमेश्वर लाल मेघवाल ने की। विधायक गोदारा ने विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इनमें आम गुवाड़ से पोखरणा जोहड़ तक बरसाती पानी निकासी नाला निर्माण, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में टीन शेड निर्माण, मेघवाल बस्ती में सामुदायिक भवन, सार्वजनिक कुएं के पास श्री फेस ट्यूबवेल, अम्बेडकर भवन में टीन शेड, बस स्टैंड पर विश्राम गृह तथा सांसी मोहल्ले में सिंगल फेज ट्यूबवेल निर्माण सहित अन्य कार्य शामिल हैं। इस दौरान विधायक प्रसाराम गोदारा ने विद्यार्थियों की सुविधा को देखते हुए राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सिमसिया बीदावतान में एक अतिरिक्त कक्षा-कक्ष का निर्माण करवाने की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं मूलभूत सुविधाओं का विस्तार उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। क्षेत्र के समग्र विकास के लिए लगातार विकास कार्य करवाए जा रहे हैं और आमजन की आवश्यकताओं के अनुरूप सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने विधायक प्रसाराम गोदारा सहित उपस्थित अतिथियों का माला एवं साफा पहनाकर स्वागत-अभिनेदन किया। पूर्व प्रधान गिरधारी लाल बांगड़वा, भानौराम मेघवाल, सुरेंद्र हुड्डा एवं विजय कुमार मातौली ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विकास कार्यों पर अपने विचार रखे। इस अवसर पर धनाराम कालेर, रतन लाल मेघवाल, जुहारा राम नायक, भागीरथ कालेर, भगवाना राम कालेर, पूर्णाराम कालेर, दुर्गाराम मेघवाल, जगदीश नाई, भगवानाराम ठोलिया, मनौराम कालेर, धनाराम मेघवाल, भंवर लाल मेघवाल, हरखा राम कालेर, चेतन नायक, भागुराम कालेर, झूंर राम प्रजापत सहित जनप्रतिनिधि, ग्रामीणजन एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

लिए राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय चाकसू में 6 टेबल तथा कालांडेरा के लिए राजकीय कन्या महाविद्यालय चौमूं में 5 टेबल निर्धारित हैं। इसी प्रकार चौमूं के लिए राजकीय कन्या महाविद्यालय चौमूं में 9 टेबल, खेजरीले के लिए राजकीय कन्या महाविद्यालय चौमूं में 5 टेबल, बस्सी के लिए कॉलेज ऑफ डेयरी एण्ड फूड टेक्नोलॉजीए बस्सी में 7 टेबल, नरायना के लिए राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय नरायना में 5 टेबल, जोबनेर के लिए श्री कर्ण नरेन्द्र राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जोबनेर में 5 टेबल, किशनगढ़-रेनवाल के लिए मा. रि. सो. रा. उ.मा. वि. किशनगढ़ रेनवाल में 5 टेबल, बगरू के लिए महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय बगरू में 7 तथा फुलेरा के लिए कार्यालय नगर पालिका फुलेरा में 8 टेबल निर्धारित की गई हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी संदेश नायक ने संबंधित अधिकारियों को मतगणना से पूर्व आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण करने तथा मतगणना स्थलों पर सुरक्षा, कामिक, ईवीएम/लैपटॉप संग्रहण एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए संबंधित विभागों के साथ समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि बिना अधिकृत प्रवेश पत्र के मतगणना केंद्र में कोई भी व्यक्ति प्रवेश नहीं कर सकेगा।

एडवोकेट अजय कुमार पुरोहित, एडवोकेट विमला सुरोलिया, एडवोकेट बजरंग छीपा, एडवोकेट ताराचंद उपाध्याय, एडवोकेट रामनिवास बिश्नोई, त्रिलोक चन्द शर्मा तथा बार कर्मचारी गोपाल पुरोहित, ऋतिक ओझा, राहुल, गोपाल जोशी, लक्ष्मण पंचार, रमेश, दिनेश ओझा, शशी मोहन, हेमराज एवं प्रशांत सहित अनेक लोगों ने सहभागिता निभाई।

टीम आवर फॉर नेशन के सदस्यों ने कहा कि स्वच्छता केवल सफाई कर्मचारियों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का सामूहिक दायित्व है। समाज के विभिन्न वर्ग जब स्वयं आगे आकर श्रमदान करते हैं, तो स्वच्छता अभियान जनभागीदारी के माध्यम से जनआंदोलन का रूप ले सकता है। अभियान का संदेश स्पष्ट रहा-शिकायत नहीं, सहयोग। सामूहिक श्रमदान से ही स्वच्छ और सुंदर बीकानेर का निर्माण संभव है।

रामदेव बाबा के जागरण में भजनों पर झूमे श्रद्धालु



निस

खेतड़ी नगर (नवयत्न)। केसीसी के प्रथम सेक्टर में नर्सरी स्कूल के पास शनिवार रात रामदेव बाबा का जागरण हुआ। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने रातभर भजनों का आनंद लिया और बाबा के जयकारे लगाए। समाजसेवी हरिराम गुर्जर के मुख्य आतिथ्य में बाबा रामदेव की ज्योत प्रज्वलित कर भजन संध्या की शुरुआत की गई। मोई सद्दा के फतेहदास महाराज के सानिध्य में ओमप्रकाश तुनिया, चिड़वा के विनोद कुमार, कन्हैयालाल खुड्डिया, लक्ष्मण नाथ और हरमंद सिंह पाटी के कलाकारों ने भजनों की प्रस्तुति दी। भजन गायकों ने ‘बाबा रामदेव म्हारे आंगण पधारे...’ और ‘रुणिचा रा धणी, म्हारी अरज सुनो...’ जैसे भजन प्रस्तुत किए। भजनों पर श्रद्धालु देर रात तक झुमते रहे। बीच-बीच में बाबा रामदेव के जयकारों से पंडाल गूंजता रहा। सुबह मंगल आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया। इसके साथ ही जागरण का समापन हुआ। इस दौरान प्रेम सिंह, रोशन, प्रदीप, बंटी, देवीदत्त, चेताराम, सुनील, कमलेश, अशोक, कैलाश, बबलू, केवल चंद, जुगल, महावीर, राकेश पवार, राजवीर सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

मंडावरा में धूमधाम से मनाई कर्नल बैसला की जयंती, युवाओं ने दी श्रद्धांजलि



निस

उदयपुरवाटी (नवयत्न)। मंडावरा में शनिवार को स्व. कर्नल किरोड़ी सिंह बैसला की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में युवा नेता एवं प्रदेश संयुक्त सचिव एनएसयूआई पंकज सेनी बागोरा अपने युवा साथियों के साथ शामिल हुए। उन्होंने कर्नल बैसला के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान ग्रामीणों ने पंकज सेनी बागोरा का माला पहनाकर स्वागत किया। पंकज सेनी ने कहा कि कर्नल बैसला ने समाज के उत्थान और वंचित वर्ग के अधिकारों के लिए अपना जीवन समर्पित किया। उनका संघर्ष और सामाजिक योगदान युवाओं के लिए हमेशा प्रेरणादायी रहेगा। कार्यक्रम में एडवोकेट हनुमान गुर्जर, एडवोकेट श्रवण सेनी उदयपुरवाटी, राधेश्याम रचियता उदयपुरवाटी, प्रमोद, सुभाष, वृजेश, राजेंद्र, सुनील, सुरेश, आशीष, दीपक, संदीप, जितेंद्र सहित समाज के वरिष्ठजन, युवा साथी और ग्रामीण मौजूद रहे।

अष्टविनायक धाम में गूंजा गणेश चालीसा गणेश महोत्सव में मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, सोमवार को निशान पदयात्रा और मेले का आयोजन



निस

मुकुंदगढ़ (नवयत्न)। डूंडलोद रोड स्थित अष्टविनायक धाम में गणेश महोत्सव को लेकर धार्मिक माहौल बना हुआ है। दो दिवसीय आयोजन के तहत शनिवार को मंदिर परिसर में संगीतमय गणेश चालीसा पाठ हुआ। मुकुंदगढ़ सहित आसपास के क्षेत्र से पहुंचे श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से चालीसा का पाठ किया और आरती में शामिल होकर गणेशजी के दर्शन किए। गणेश महोत्सव को लेकर मंदिर परिसर को रंग-बिरंगी रोशनी और फूल मालाओं से सजाया गया। शाम होते ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। संगीतमय पाठ के दौरान मंदिर परिसर में भक्तिमय माहौल रहा। मंदिर ट्रस्टी अनू अनिल अग्रवाल ने अष्टविनायकों की पूजा-अर्चना की। पाठ वाचक पंडित रामगोपाल शर्मा एवं मंडली ने श्रद्धालुओं के साथ गणेश चालीसा का सामूहिक वाचन कराया। मंदिर पुजारी रामजी शर्मा एवं शम्भूदयाल शर्मा के आचार्यत्व में आरती हुई। इसके बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में दीपिका लुहारका, एडवोकेट अश्वनी महर्षि, उम्मेद खाजपुरिया, अनिल जसरपुरिया, सीए जितेंद्र कुमार, चनश्चाम मिश्रा, सत्यनारायण खेतान, प्रद्युम्न शर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

मुकुंदगढ़ के साथ नवलगढ़ से भी पहुंचेंगे श्रद्धालु

महोत्सव का स्थानीय आकर्षण सोमवार को होने वाली निशान पदयात्रा रहेगी। नवलगढ़ और मुकुंदगढ़ से श्रद्धालु पदयात्रा के रूप में अष्टविनायक धाम पहुंचेंगे और गणेशजी को निशान चढ़ाएंगे। इसके साथ ही धाम परिसर में मेले का आयोजन भी होगा, जिससे क्षेत्र के श्रद्धालुओं की भागीदारी और बढ़ने की उम्मीद है।

केसीसी में आज विराजेंगे गणपति बप्पा, सनातन धर्म मंदिर में नौ दिन चलेगा गणेश उत्सव

निस

खेतड़ी नगर (नवयत्न)। केसीसी की श्री सनातन धर्म समिति के तत्वावधान में सोमवार से सनातन धर्म मंदिर परिसर में नौ दिवसीय गणेश चतुर्थी महोत्सव शुरू होगा। महोत्सव का शुभारंभ दोपहर सावा 12 बजे भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापना के साथ किया जाएगा। मंदिर मंत्री विमल शर्मा ने बताया कि परंपरागत विधि-विधान और मंत्रोच्चार के बीच 5.25 फीट ऊंची गणपति बप्पा की प्रतिमा विराजित की जाएगी। समिति अध्यक्ष सवाई सिंह सिराधना और महामंत्री अभिषेक पारीक ने बताया कि प्रतिमा स्थापना के बाद नौ दिनों तक मंदिर परिसर में विभिन्न धार्मिक आयोजन होंगे। इस दौरान पूजा-अर्चना, आरती और भजन संध्या सहित कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। गणेश चतुर्थी महोत्सव को लेकर मंदिर परिसर को आकर्षक सजावट और रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया जा रहा है। समिति की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए भी व्यवस्थाएं की जा रही हैं। नौ दिनों तक चलने वाले इस महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है।

काका सुन्दरलाल की याद में कलवा में जुटा राजनीतिक कुनबा, स्मारक का हुआ लोकार्पण

सात बार विधायक और चार बार मंत्री रहे सुन्दरलाल काका की राजनीतिक विरासत को किया याद।



अशोक राईका

झुंझुनू (नवयत्न)। पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वर्गीय सुन्दरलाल ‘काका’ की द्वितीय पुण्यतिथि पर रविवार को बुहाना के कलवा में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। सरस्वती फार्म हाउस में हुए समारोह में बुहाना सहित आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। इस दौरान ‘सुन्दरलाल काका स्मारक’ का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हनुमान श्योराण ने की। भाजपा जिलाध्यक्ष हर्षिनी कुल्हरी सहित भाजपा के कई

सूरजगढ़-पिलानी की राजनीति में काका की रही अलग पहचान

समारोह में वक्ताओं ने स्व. सुन्दरलाल काका के राजनीतिक जीवन को याद करते हुए कहा कि वे सात बार विधायक और चार बार मंत्री रहे। सूरजगढ़-पिलानी क्षेत्र की राजनीति में उनकी अलग पहचान रही। वक्ताओं के अनुसार काका ने इस क्षेत्र में भाजपा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और पहली बार भाजपा का कमल खिलाने में अहम भूमिका निभाई। वक्ताओं ने कहा कि कांग्रेस, भाजपा और निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव जीतना उनकी राजनीतिक पकड़ और क्षेत्र में जनसमर्थन को दर्शाता है। ईमानदार और जनसेवा से जुड़ी उनकी छवि को याद करते हुए कहा गया कि काका का राजनीतिक जीवन क्षेत्र के लोगों के बीच हमेशा चर्चा में रहेगा।

पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, युवा कार्यकर्ता और क्षेत्र के ग्रामीण समारोह में शामिल हुए। कार्यक्रम में काका के परिवार और आयोजकों ने कहा कि स्मारक उनकी यादों को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का



माध्यम बनेगा। पुण्यतिथि पर बड़ी संख्या में लोगों का पहुंचना यह भी दिखाता है कि क्षेत्र की राजनीति में काका की पहचान और उनके पुराने संपर्क आज भी लोगों के बीच चर्चा में है। कार्यक्रम के आयोजक

कैलाश मेघवाल, विजेंद्र चेयरमैन, डॉ. धर्मपाल सिंह, ईश्वर सिंह, विनोद कुमार और पुरुषोत्तम राज सहित परिवार के सदस्यों ने समारोह में पहुंचे सभी लोगों का आभार जताया।

पुण्यतिथि पर पुराने साथियों और युवाओं की मौजूदगी

समारोह में हनुमानगढ़ भाजपा प्रभारी दिनेश धाबाई, प्रदेश भाजपा कार्यकारिणी सदस्य विशम्भर पूनिया, भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश प्रवक्ता सतीश गजराज, जिला महामंत्री योगेंद्र मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष अजय चाहर, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष जयसिंह माठ, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष रतन सिंह तंवर, सहित अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा रजनीश चनाना, पवन मार्वंडिया, रविकांत शर्मा, राजेंद्र कोच, विधाधर सेनी, अमर सिंह तंवर, अशोक मालानी, मदन डारा, बाबूलाल वर्मा, डॉ. बीके वर्मा, शम्भू पंवार, राकेश बिका, पवन शर्मा, मुकेश जालिन्द्रा, पार्षद देवेंद्र सेनी, अभय सिंह बडेसरा, कुलदीप भगासरा, रजनीकांत मान, रामगोपाल मिश्र, राकेश शर्मा पाटनवाला, रामोतर धौलिया, निहाल सिंह, घिसाराम यादव, लक्ष्मण सिंह गदली, सरपंच रामकुमार झारोड़ा और रणधीर पूर्व सरपंच कलौट सहित क्षेत्र के कई लोग मौजूद रहे।

खेतड़ी में गणेश चतुर्थी की धूम, झोझू धाम में दो दिवसीय महोत्सव शुरू, आज लगेगा मेला



निस

खेतड़ी (नवयत्न)। झोझू धाम स्थित श्री गणेश मंदिर में रविवार को गणेश चतुर्थी के अवसर पर दो दिवसीय महोत्सव की शुरुआत हुई। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की। मुख्य यजमान सुरेश कुमार कनौडिया ने विधिवत हवन किया। इसके बाद महाआरती हुई और श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। वृंदावन तपोवन का महंत विद्याधी महाराज ने बताया कि करीब दो वर्ष पहले मंदिर में भगवान गणेश के पुत्र शुभ और लाभ की प्रतिमाओं की भी प्राण-प्रतिष्ठा कराई गई थी। उन्होंने बताया कि जब वे पहले खेतड़ी के विभिन्न मंदिरों में गए तो उन्हें

आश्चर्य हुआ कि क्षेत्र में भगवान गणेश का कोई प्रमुख मंदिर नहीं था। इसको लेकर ग्रामीणों से चर्चा की गई और वर्ष 2003 में झोझू धाम में ऋद्धि-सिद्धि सहित भगवान गणेश का मंदिर बनवाया गया। गणेश चतुर्थी के अवसर पर झोझू धाम में मेले का आयोजन भी किया जा रहा है। इसके लिए मंदिर परिसर को सजाया गया है। मंदिर समिति की ओर से श्रद्धालुओं के दर्शन, पूजा-अर्चना और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर तैयारियां की गई हैं। कार्यक्रम में सुरेश कनौडिया, सुंदर कनौडिया, मिट्टू शर्मा, पवन वापुर्निया, अमित शर्मा, राकेश सिंघोदिया, जयंत खाखरा, प्रकाश शर्मा, सुभाष चेजारा, श्रीराम चेजारा, पारस वर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

श्रद्धालुओं को धूप-बारिश से राहत, मंदिर मार्ग पर भामाशाह ने बनवाया टीन शेड

जय बाबा भैया मंदिर मार्ग पर 230 गुणा 16 फीट बनाया टीन शेड

निस

खेतड़ी नगर (नवयत्न)। जसरापुर-तातोजा स्थित जय बाबा भैया मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए राहत की खबर है। मंदिर मार्ग पर धूप और बारिश से बचाव के लिए भामाशाह प्रीतम शर्मा की ओर से टीन शेड का निर्माण करवाया गया है। नवनिर्मित टीन शेड का उद्घाटन खेतड़ी विधायक इंजीनियर धर्मपाल गुर्जर ने फीता काटकर किया। आयोजकों के अनुसार मंदिर मार्ग पर करीब 230 फीट लंबा और 16 फीट चौड़ा टीन शेड बनाया गया है। इसके अलावा जमवाय माता मंदिर और जय बाबा भैया मंदिर परिसर में भी 20 गुणा 20 फीट के टीन शेड लगाए गए हैं। इससे मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को गर्मी में तेज धूप और बारिश के दौरान काफी सुविधा मिलेगी। कार्यक्रम में श्री श्याम सेवा समिति तातोजा के सदस्य प्रीतम शर्मा, बंटी शर्मा, नितेश जांगिड़, गोविंद शर्मा, छोटेलाल तंवर, डॉ. महेश जांगिड़, दिनेश भारद्वाज, राजकुमार बोरा,



संतोष कुमार, बुली गुर्जर, डॉ. कपिल, श्रवण जांगिड़ सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

भामाशाह प्रीतम शर्मा ने करवाया काम

श्री श्याम सेवा समिति तातोजा से जुड़े सदस्यों ने बताया कि मंदिर में सालभर श्रद्धालुओं की आवाजाही रहती है। विशेष अवसरों और धार्मिक आयोजनों के दौरान यहां श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़ जाती है। ऐसे में धूप और बारिश से बचने के लिए स्थायी व्यवस्था की जरूरत महसूस की जा रही थी। इसी को देखते हुए भामाशाह प्रीतम

विधायक ने की पहल की सराहना

उद्घाटन के दौरान विधायक इंजीनियर धर्मपाल गुर्जर ने कहा कि धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए करनाए जा रहे विकास कार्य सराहनीय हैं। भामाशाह और समिति के सदस्यों ने जनसहयोग की भावना से यह काम करवाकर समाज के सामने अच्छी मिसाल पेश की है। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों से बड़ी संख्या में लोगों की आस्था जुड़ी होती है। ऐसे स्थानों पर श्रद्धालुओं के लिए मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध होना जरूरी है। क्षेत्र के धार्मिक स्थलों के विकास और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए हरसंभव सहयोग किया जाएगा।

शर्मा की ओर से टीन शेड का निर्माण करवाया गया। मंदिर मार्ग पर बनाए गए शेड के साथ मंदिर परिसरों में भी शेड लगाने से श्रद्धालुओं को अलग-अलग स्थानों

पर राहत मिलेगी। समिति सदस्यों ने बताया कि जनसहयोग से धार्मिक स्थलों पर सुविधाएं विकसित करने का सिलसिला आगे भी जारी रखने का प्रयास रहेगा।

काजड़ा में मिहिर भोज जयंती पर रक्तदान शिविर, शिक्षा और नशामुक्ति का दिया संदेश

अंतरराष्ट्रीय गुर्जर दिवस पर हुआ आयोजन, बेटियों को शिक्षा और समान अवसर देने पर जोर।



कृष्ण कुमार गांधी

सूरजगढ़ (नवयत्न)। अंतरराष्ट्रीय गुर्जर दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत काजड़ा में गुर्जर सम्राट मिहिर भोज की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में ग्रामीणों और समाज के लोगों ने सम्राट मिहिर भोज के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

इस मौके पर रक्तदान शिविर भी लगाया गया। कार्यक्रम का आयोजन सुनील खटाना एवं किशन चनेजा के सानिध्य में किया गया। रक्तदान शिविर के जरिए लोगों को जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने समाज के विकास के लिए शिक्षा को सबसे ज्यादा महत्व देने की बात कही। उन्होंने युवाओं से नरेश से दूर रहने और अपने भविष्य पर ध्यान देने का आह्वान किया। वक्ताओं ने कहा

कि शिक्षा के जरिए ही समाज आगे बढ़ सकता है। इस दौरान बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का संदेश भी दिया गया। बेटियों को बेटी के समान अवसर देने और उन्हें अच्छी शिक्षा दिलाने पर जोर दिया गया। विक्रम सुशील शर्मा, पवन गुर्जर एवं भगवती प्रसाद चंदेलिया ने सामाजिक एकता, आपसी भाईचारे और सद्भावना बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि समाज का विकास के लिए सभी लोगों को मिलकर काम करना चाहिए। कार्यक्रम में अशोक स्वामी, शशिकांत नगवान, रतन यादव, मुकेश खटाना, धन सिंह तनेजा, शोल कुमार जोशी, हिमांशु कुमावत, यस नगवान, मोहित शर्मा, विक्रम खटाना, गजेंद्र सिंह शेखावत, निखिल नायक, विकास कुमावत, मोहित शेखावत, पंकज नायक सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

बिसाऊ में बोर्ड किसका बनेगा? कांग्रेस 12, भाजपा 10 और 3 निर्दलीयों की चर्चा

25 वार्डों का फैसला आज खुलेगा, बाजार और चौपालों में चल रहा जीत-हार का हिसाब, निर्दलीयों पर टिकी नजर

निस

बिसाऊ (नवयत्न)। नगरपालिका चुनाव का मतदान खत्म होते ही बिसाऊ में अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि अगला बोर्ड भाजपा का बनेगा या कांग्रेस का? मतदान के बाद दोनों दल अपने-अपने प्रत्याशियों की जीत का आकलन करने में जुटे हैं। वहीं शहर के बाजार, बस स्टैंड और गली-मोहल्लों में भी वार्डवार नतीजों को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। बिसाऊ पालिका के 25 वार्डों में 18,518 मतदाताओं में से 13,756 ने मतदान किया है। अब राजनीतिक दल और समर्थक अपने-अपने हिसाब से सीटों का गणित बैठ रहे हैं। फिलहाल शहर में चल रही चर्चाओं में कांग्रेस को 12, भाजपा को 10 और 3 सीटों पर निर्दलीयों के जीतने का दावा किया जा रहा है। हालांकि ये आंकड़े अभी सिर्फ चुनावी कयास हैं। असली तस्वीर

14 सितंबर को मतगणना के बाद ही सामने आएगी।

12-10-3 का गणित सही निकला तो?

अगर शहर में चल रहा यह अनुमान सही निकलता है तो कांग्रेस सबसे बड़े दल के रूप में सामने आ सकती है। लेकिन तीन निर्दलीय किस तरफ जाते हैं, यह बोर्ड के समीकरण में अहम भूमिका निभा सकता है। यही वजह है कि अब राजनीतिक नजरें संभावित निर्दलीय विजेताओं पर भी टिक गई हैं। दूसरी ओर भाजपा समर्थक भी अपने पक्ष में कई वार्डों में जीत का दावा कर रहे हैं।

दोनों दलों के स्थानीय नेता और कार्यकर्ता मतदान के बाद वार्डवार स्थिति का आकलन कर संभावित बोर्ड के समीकरण समझने में जुटे हैं।

आज खुलेगा राज

मतगणना 14 सितंबर को होगी।

खीवाणा धाम में रातभर गुंजे संत चरणदास के भजन

बुगाला (नवयत्न)। संत शिरोमणि चरणदास महाराज की जयंती के अवसर पर खीवाणा धाम स्थित मंदिर में रविवार रात भव्य जागरण हुआ। जागरण में बुगाला सहित आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। देर रात तक मंदिर परिसर में भजनों की गूंज सुनाई देती रही और श्रद्धालु भक्ति में डूबे नजर आए। झुंझुनू और

गुसाइयों की ढाणी के भजन कलाकारों ने संत चरणदास महाराज की महिमा का गुणगान करते हुए एक से बढ़कर एक धार्मिक भजनों की प्रस्तुतियां दीं। भजनों के दौरान श्रद्धालुओं ने तालियां बजाकर कलाकारों का उत्साह बढ़ाया। कई श्रद्धालु भजनों की धुन पर झुमते नजर आए। बीच-बीच में संत चरणदास महाराज के जयकारों

से मंदिर परिसर गूंज उठता रहा। लोगों ने जागरण में बैठकर भजनों का आनंद लिया और संत चरणदास महाराज के दर्शन कर परिवार की सुख-शांति को कामना की। आयोजक दातार सिंह और मुकेश कुमार रावण राजपूत ने बताया कि हर साल संत चरणदास महाराज की जयंती पर धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

इसी दिन वार्डवार परिणाम सामने आने के साथ यह भी साफ हो जाएगा कि 12-10-3 का

सियासी गणित सही बैठता है या बिसाऊ की राजनीति की उलटफेर दिखाती है।



सम्पादकीय

सहयोग का घोषणापत्र

ब्रिक्स के नई दिल्ली घोषणापत्र पर सहमति बनना इसलिए एक उपलब्धि और भारत का कूटनीतिक कद बढ़ाने वाली है, क्योंकि यह माना जा रहा था कि सदस्य देशों और विशेष रूप से ईरान और सऊदी अरब एवं यूएई में मतभेदों के कारण ऐसा होना कठिन है। इसके बाद भी भारत सभी देशों को साथ लाने में सफल रहा। इसके पहले भारत अपनी अस्थ्यशता वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में भी सभी देशों के बीच सहमति बनाने में सफल रहा था, जबकि यूक्रेन युद्ध के कारण अमेरिका और यूरोप के देश रूस के विरुद्ध तीखे तैवर अपनाए हुए थे।

यह सही है कि साझा घोषणापत्र में पश्चिम एशिया संकट को लेकर जो कुछ कहा गया, उसमें किसी देश का नाम नहीं लिया गया, लेकिन यह सामान्य बात नहीं कि अमेरिकी हमलों के जवाब में जो ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात पर मिसाइलें दागता रहता है, वह भी साझा बयान जारी करने के लिए सहमत हुआ। इतना ही नहीं, ब्रिक्स सम्मेलन के चलते ईरान और यूएई के प्रतिनिधियों ने आपस में बात भी की।

कुल मिलाकर भारत ने यह दिखाया कि उसमें एक दूसरे के खिलाफ खड़े देशों के बीच भी सहमति बनाने का कूटनीतिक कौशल है। अपने इस कूटनीतिक कौशल के कारण ही भारत क्राड का सदस्य है तो ब्रिक्स और एससीओ का भी। यह स्थिति भारत को विशिष्ट बनाती है और विश्व का ध्यान उसकी ओर खींचती है।ब्रिक्स सम्मेलन में बनी सहमति इसका परिचायक है कि भारत सदस्य देशों के बीच यह भाव जगाने में सफल रहा कि विफल होते संयुक्त राष्ट्र के कारण यदि इस संगठन को सशक्त बनाना है तो उन्हें मतभेदों को किनारे कर आपसी सहयोग पर जोर देते हुए एकजुट होना होगा।

अच्छा होगा कि इस संगठन के सदस्य और सहयोगी देश यह समझें कि आपसी सहमति केवल कागज तक ही सीमित नहीं रहनी चाहिए। नई दिल्ली घोषणापत्र पर केवल ईरान, सऊदी अरब और यूएई को ही ध्यान नहीं देना होगा, बल्कि चीन को भी ऐसा ही करना होगा, क्योंकि इसमें पहलगाम हमले का उल्लेख करते हुए आतंकवाद पर दोहरा मानदंड अपनाने की प्रवृत्ति को रेखांकित किया गया है। यह किसी से छिपा नहीं कि चीन इस प्रवृत्ति का प्रदर्शन करता रहा है।

घोषणापत्र की इन बातों पर चीन के साथ रूस को भी गौर करना होगा कि हर देश की संप्रभुता का सम्मान किया जाना चाहिए। यदि ब्रिक्स देश अपने घोषणापत्र के प्रति सच्ची प्रतिबद्धता नहीं दिखाते तो फिर अन्य देशों और संगठनों से यह अपेक्षा नहीं कर सकते कि वे अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन करें। वास्तव में ब्रिक्स को यह आत्मसात करने की सख्त जरूरत है कि घोषणापत्र पर सहमति बनाने से कहीं अधिक आवश्यक उसके अनुरूप कार्य करना है।



जागो हर नीद से हर कमी को देखो, आगे निकलना है तो हर गलती से सीखो.

जागो हर नीद से हर कमी को देखो, आगे निकलना है तो हर गलती से सीखो.

जागो हर नीद से हर कमी को देखो, आगे निकलना है तो हर गलती से सीखो.

जागो हर नीद से हर कमी को देखो, आगे निकलना है तो हर गलती से सीखो.

जागो हर नीद से हर कमी को देखो, आगे निकलना है तो हर गलती से सीखो.

इन गर्मियों की छुट्टियों में अगर आप कहीं घूमने जाने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको अपनी मंजिल चुनने से पहले कुछ बातों पर गौर जरूर करना चाहिए। दरअसल, हर व्यक्ति को घूमने के लिए अलग-अलग तरह की जगहें पसंद होती हैं। ऐसे में अगर आपको इतिहास, प्राकृतिक विविधता और खूबसूरती भर नजारे देखने हैं, तो ऐसी एक बहुत ही शानदार जगह है। जिसका नाम है, नागौर, जो देश के सबसे बड़े खारे पानी वाली झील का शहर है। माइक्रोक्लाइमिंग प्लेटफॉर्म, कू ऐप पर राजस्थान पर्यटन विभाग द्वारा नियमित रूप से प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में जानकारी दी जाती है। कुछ वक्त पहले राजस्थान टूरिज्म ने उत्तर-पश्चिम मेवाड़ इलाके में स्थित नागौर के बारे में पोस्ट शेयर की थी। उत्तर में चूरू, उत्तर पश्चिम में बीकानेर और पूर्वोत्तर में सीकर जिले से घिरे नागौर के दक्षिण में पाली और पश्चिम व दक्षिण पश्चिम में जोधपुर हैं। इसके अलावा पूर्व में जयपुर व दक्षिण पूर्व में अजमेर है। नागौर जिले के दक्षिण पूर्व में खूबसूरत अरावली श्रृंखला है, जबकि दक्षिण पश्चिम में भारत की सबसे बड़ी खारे पानी वाली सांभर झील है। राजस्थान के बीच में स्थित नागौर को महाभारत काल में जांगलदेश के नाम से पुकारा जाता था। मुगल बादशाह शाहजहां ने राजा अमर सिंह राठौर को यह भेंट के रूप में दिया था और यह शहर रैगिस्तान में यह फैला हुआ है। इस शहर पर कई बार आक्रमण हुआ और नागवंश, चौहान, राठौड़, मुगल और अंग्रेजों ने सालों तक राज किया।

लाडनूँ

समूचे भारत में सूती साड़ियों में यहां की साड़ियों को काफी बेहतरीन माना जाता है और इन साड़ियों को चटक रंग के साथ मुलायम कपड़े के लिए

अहिछत्रगढ़ किला

नागौर में बने अहिछत्रगढ़ को ‘फोर्ट ऑफ हुडेड कोबरा’ यानी ‘नागराज का फन’ का नाम दिया गया है। करीब 36 एकड़ क्षेत्रफल में फैले इस चोपता, औली जैसे हिमालयी पर्यटन स्थलों की यात्रा के लिए प्रारम्भिक बिन्दु भी है। ऋषिकेश का शांत और सुरम्य वातावरण सभी को अपनी ओर आकर्षित करता है। भारत के पवित्र स्थलों में से एक ऋषिकेश में कई साधु-संतों का आश्रम भी है। ऋषिकेश की सुंदरता बढ़ाने के लिए हिमालय की निचली पहाड़ियों और कल-कल बहती गंगा नदी भी अपना योगदान देती हैं। ऋषिकेश को चारधाम यानि केदारनाथ,



किले को 1985 में मेहरानगढ़ म्यूजियम ट्रस्ट के संरक्षण में सौंप दिया गया था। यहां के महलों में ऐतिहासिक राजसी कुर्सी, मेज, सोफा, पलंग आदि लगे हुए हैं और दीवारों पर शाही चित्रकारी के अलावा बेहतरीन सजावटी सामान मौजूद है। 2002 में नागौर किले को संस्कृति विरासत संरक्षण के लिए यूनेस्को एशिया के पैसिफिक हैरिटेज अवार्ड से सम्मानित किया गया।

झोरड़ा

नागौर का झोरड़ा एक छोटा गांव है और कवि ‘कानदानकल्पित’ तथा प्रसिद्ध सूफी संत ‘बाबा हरिराम’ की जन्मस्थली है और इसके मशहूर होने की भी वजह है। हर साल भाद्रपद की चतुर्थी-पंचमी को सालाना मेला लगता है, जिसमें दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और उत्तर प्रदेश समेत अन्य स्थानों के लोग आते हैं।

इतिहास और प्रकृति की नजदीकी है पसंद, तो घूम आएं खारे पानी की झील वाले शहर ‘जांगलदेश’

इन गर्मियों की छुट्टियों में अगर आप कहीं घूमने जाने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको अपनी मंजिल चुनने से पहले कुछ बातों पर गौर जरूर करना चाहिए। दरअसल, हर व्यक्ति को घूमने के लिए अलग-अलग तरह की जगहें पसंद होती हैं। ऐसे में अगर आपको इतिहास, प्राकृतिक विविधता और खूबसूरती भर नजारे देखने हैं, तो ऐसी एक बहुत ही शानदार जगह है। जिसका नाम है, नागौर, जो देश के सबसे बड़े खारे पानी वाली झील का शहर है। माइक्रोक्लाइमिंग प्लेटफॉर्म, कू ऐप पर राजस्थान पर्यटन विभाग द्वारा नियमित रूप से प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में जानकारी दी जाती है। कुछ वक्त पहले राजस्थान टूरिज्म ने उत्तर-पश्चिम मेवाड़ इलाके में स्थित नागौर के बारे में पोस्ट शेयर की थी। उत्तर में चूरू, उत्तर पश्चिम में बीकानेर और पूर्वोत्तर में सीकर जिले से घिरे नागौर के दक्षिण में पाली और पश्चिम व दक्षिण पश्चिम में जोधपुर हैं। इसके अलावा पूर्व में जयपुर व दक्षिण पूर्व में अजमेर है। नागौर जिले के दक्षिण पूर्व में खूबसूरत अरावली श्रृंखला है, जबकि दक्षिण पश्चिम में भारत की सबसे बड़ी खारे पानी वाली सांभर झील है। राजस्थान के बीच में स्थित नागौर को महाभारत काल में जांगलदेश के नाम से पुकारा जाता था। मुगल बादशाह शाहजहां ने राजा अमर सिंह राठौर को यह भेंट के रूप में दिया था और यह शहर रैगिस्तान में यह फैला हुआ है। इस शहर पर कई बार आक्रमण हुआ और नागवंश, चौहान, राठौड़, मुगल और अंग्रेजों ने सालों तक राज किया।

लाडनूँ

समूचे भारत में सूती साड़ियों में यहां की साड़ियों को काफी बेहतरीन माना जाता है और इन साड़ियों को चटक रंग के साथ मुलायम कपड़े के लिए

जागो हर नीद से हर कमी को देखो, आगे निकलना है तो हर गलती से सीखो.

जागो हर नीद से हर कमी को देखो, आगे निकलना है तो हर गलती से सीखो.

जागो हर नीद से हर कमी को देखो, आगे निकलना है तो हर गलती से सीखो.

जागो हर नीद से हर कमी को देखो, आगे निकलना है तो हर गलती से सीखो.

जागो हर नीद से हर कमी को देखो, आगे निकलना है तो हर गलती से सीखो.

जागो हर नीद से हर कमी को देखो, आगे निकलना है तो हर गलती से सीखो.

जागो हर नीद से हर कमी को देखो, आगे निकलना है तो हर गलती से सीखो.

जागो हर नीद से हर कमी को देखो, आगे निकलना है तो हर गलती से सीखो.

जागो हर नीद से हर कमी को देखो, आगे निकलना है तो हर गलती से सीखो.

पिछले दिनों दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में पेइंग गेट्स यानी पीजी के रूप में चलाई जा रही एक बिल्डिंग गिरने से सात छात्रों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। इस हादसे के बाद पीजी के रूप में रहने वाले छात्रों पर मुसीबत आ गई, क्योंकि अनेक इमारतों को जर्जर पाकर खाली करा लिया गया।

इसके चलते अनेक छात्र इधर-उधर भटकने के लिए मजबूर हो गए। इसे दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि छात्रों को रह-रहकर समस्याओं से दो-चार होना पड़ता है। इन दिनों दिल्ली में हास्टल के अभाव में पीजी के रूप में रहने वाले तमाम छात्र संकट में हैं। वैसे तो देश में बरसात के दिनों में कहीं न कहीं से भवनों के गिरने की खबर आती ही रहती है, लेकिन दुर्भाग्य से ऐसी खबरें राजधानी दिल्ली से भी रह-रहकर आती रहती हैं।

जब अपेक्षा यह है कि कम से कम देश की राजधानी में शहरी विकास संबंधी हर तरह के नियम-कानूनों का सही से पालन हो, तब सच्चाई इसके विपरीत दिखती है। शहरी विकास के मामले में जो हाल दिल्ली का है, वही देश के अन्य शहरों का भी। यह चिंताजनक है कि बेहतर शहरी विकास के मामले में दिल्ली कोई उदाहरण नहीं पेश कर पा रही है।

मोदी सरकार के बाद से देश के शहरों में तेजी से जो परिवर्तन देखने को मिला, वह सबसे अधिक दिल्ली-

एनसीआर में देखने को मिला। दिल्ली-एनसीआर की आबादी पूरे देश को चार-पांच प्रतिशत ही होगी, लेकिन यहां भी विकास के काम सही ढंग से नहीं हो रहे हैं। इस विसंगति को देश के साथ-साथ दुनिया भी देख रही है, क्योंकि यहां पर अंतरराष्ट्रीय आयोजन होते ही रहते हैं।

तमाम विकास के बावजूद दिल्ली-एनसीआर की समस्याएं कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। दिल्ली में इसके पहले भी इमारतें गिरती रही हैं और हर बार यह आश्वासन मिला है कि भविष्य में ऐसा नहीं होगा, लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात वाला है। इसका एक बड़ा कारण दिल्ली की स्थानीय राजनीति है और नगर निगम का अक्षम होना है। यहां के औसत नेता वोट बैंक के लालच में शहरी विकास की अच्छी-भली योजनाओं को पटरी से उतार देते हैं। अवैध बस्तियों का नियमितीकरण इसका एक उदाहरण है।

साफ है कि हमारे नीति नियंताओं को इसकी परवाह नहीं कि शहरी विकास के नियम-कानूनों का सही तरह अनुपालन हो। इसका दुष्परिणाम यह है कि दिल्ली एक अंतरराष्ट्रीय शहर की तरह विकसित नहीं हो पा रही है। ध्यान रहे किसी देश की राजधानी उसकी अंतरराष्ट्रीय छवि के निर्माण में सहायक होती है। समस्या यह है कि हमारी वित्तीय राजधानी मुंबई की स्थिति भी बहुत अच्छी नहीं। दिल्ली में इमारत गिरने के बाद नगर निगम के कुछ अफसरों को निर्लांबित करने के साथ और भी कदम उठाए गए, लेकिन इसकी गारंटी नहीं कि भविष्य में ऐसी घटनाएं नहीं होंगी। चूंकि सत्य निकेतन इलाके की इमारत गिरने से छात्रों की जान गई, इसलिए इस घटना का राजनीतीकरण हो रहा है। ऐसा इसलिए और भी हो रहा है, क्योंकि इस समय छात्र राजनीति के केंद्र में हैं।

दिल्ली में एक और इमारत गिरने की घटना से यह भी



स्पष्ट हुआ कि दिल्ली विश्वविद्यालय और उसके कालेजों में पढ़ने वाले छात्रों के लिए हास्टल की पर्याप्त सुविधा नहीं है। इसके अभाव में कालेज के आसपास के भवनों में छात्रों के लिए पीजी चलाए जा रहे हैं। समस्या यह है कि उनकी कोई निगरानी नहीं और न ही उनके लिए कोई प्रभावी नियम-कानून बने हैं। इसके चलते पीजी संचालक मनमानी करने को स्वतंत्र हैं।

अब यह कहा जा रहा है कि पीजी के रूप में चलाए जा रहे भवनों को नियमों के दायरे में लाया जाएगा, लेकिन ऐसा तो तीन-चार दशक पहले ही कर दिया जाना चाहिए था। ऐसा शायद इसलिए नहीं हो पा रहा है, क्योंकि मनमाने ढंग से चलने वाले अनेक पीजी नेताओं या उनके परिचितों के हैं। नेता पीजी संचालकों को चिंता अधिक करते हैं, न कि वहां रहने वालों की। एक अनुमान के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में मनमाने तरीके से चलाया जा रहा पीजी का कारोबार लगभग 25 से 30 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, क्योंकि तमाम छात्र कोचिंग केंद्रों में पढ़ाई करते हैं।

देश भर के छात्र पढ़ने और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने के लिए दिल्ली-एनसीआर आते हैं। छात्रवासों के अभाव में वे जैसे-तैसे संचालित हो रहे पीजी में रहने को विवश हैं। छात्रों को केवल जर्जर भवनों में ही नहीं रहना पड़ रहा, बल्कि ऐसे भवनों में भी अपना गुजारा करना पड़ रहा, जिनमें बुनियादी सुविधाओं का अभाव है।

सब जानते हैं कि शहर प्रगति के केंद्र हैं, लेकिन इसके बावजूद शहरों के विकास के लिए कोई ठोस योजना नहीं बन पा रही है। बनती भी है तो उस पर

अमल नहीं होता। शहरों का विकास मुख्यतः राज्य सरकारों का विषय है, लेकिन वे सुनियोजित शहरी विकास के लिए ईमानदारी से प्रयासरत नहीं। इसका एक कारण यह भी है कि हमारे अधिकतर सांसद और विधायक ग्रामीण क्षेत्रों से आते हैं। इसके चलते उनका और सरकारों का ध्यान शहरों के विकास पर कम, ग्रामीण क्षेत्रों पर अधिक रहता है।

निःसंदेह ग्रामीण क्षेत्रों का विकास होना ही चाहिए, लेकिन शहरों की अनदेखी की कीमत पर नहीं। शहरी क्षेत्रों के जो जनप्रतिनिधि हैं, उनमें अधिकांश की शहरों के नियोजित विकास और शहरी ढांचे संबंधी नियम-कानूनों के अनुपालन में रुचि कम ही होती है। इसका कारण यह है कि शहरों में अधिकांश वोट अनियोजित क्षेत्रों से आता है। वोटों की खातिर नेता ही अनियोजित क्षेत्रों का नियोजित विकास नहीं होने देते। उल्टे वे इन क्षेत्रों में बसाहट बढ़ाने में लगे रहते हैं, ताकि उनका वोट बैंक मजबूत हो।

ऐसे इलाकों में बसाहट बढ़ने से नागरिक सुविधाओं का अभाव भी बढ़ता है। इससे शहरों की सूरत और बिगड़ती है। चूंकि शहरों में नियोजित विकास न हो पा रहा है, इसलिए वे आर्थिक प्रगति के बड़े केंद्र भी नहीं बन पा रहे हैं। यह स्पष्ट है कि जब तक राज्य सरकारें और स्थानीय निकाय शहरों की समस्याओं को दूर करने का काम प्राथमिकता के आधार पर नहीं करेंगे, तब तक हमारे शहर देश की बदनामी कराने और जानलेवा साबित होने वाली घटनाओं एवं दुर्घटनाओं से मुक्त होने वाले नहीं हैं।

मे़ष

फाल्गु खर्ब होगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। विवाद को बढ़ावा न दें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। व्यावसायिक योजनाओं का क्रियान्वयन नहीं हो पाएगा। परिवार की चिंता रहेगी। अजनबियों पर विश्वास से हानि हो सकती है। आपकी बुद्धिमत्ता सामाजिक सम्मान दिलाएगी।

वृष

नई योजना बनेगी। कार्यण्णाली में सुधार होगा। मान-सम्मान मिलेगा। नेत्र पीड़ा हो सकती है। अधिकारी वर्ग विशेष सहयोग नहीं करेंगे। ऋण लेना पड़ सकता है। यात्रा आज नहीं करें। परिवार के कार्यों को प्राथमिकता दें। आपकी बुद्धिमत्ता सामाजिक सम्मान दिलाएगी।

मिथुन

भ्रम की स्थिति बन सकती है। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कानूनी अड़बट दूर होगी। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य संबंधी समस्या हल हो सकेगी। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। अपनी वस्तुएँ संभालकर रखें। रुका धन मिलेगा। यात्रा आज नहीं करें।

कर्क

भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। अर्थ संबंधी कार्यों में सफलता से हर्ष होगा। सुखद भविष्य का स्वप्न साकार होगा। विवाहों से सकारात्मकता बढ़ेगी। दुस्साहस न करें। व्यापार में इच्छित लाभ होगा। परिवार की मदद मिलेगी।

सिंह

कष्ट, भय, चिंता व बेवैनी का माहौल बन सकता है। दुःखद समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। किसी के भरसे न रहकर अपना कार्य स्वयं करें। महत्वपूर्ण कार्यों में हस्तक्षेप से नुकसान की आशंका है। परिवार में तनाव रहेगा। व्यापार-व्यवसाय मध्यम रहेगा।

कन्या

खादिए भोजन का आनंद मिलेगा। विदाओं वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। अच्छे लोगों से भेंट होगी जो आपके हितवितक रहेंगे। योजनाएं फलीभूत होगी। नौकरी में पदोन्नति के योग है। आलस्य से बचकर रहें। अधिकारी वर्ग विशेष सहयोग नहीं करेंगे। ऋण लेना पड़ सकता है।

तुला

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। जोखिम न लें। अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखें। पत्नी के बतलाए रास्ते पर चलने से लाभ की संभावना बनती है। यात्रा से लाभ। वाहन-मशीनरी खरीदी के योग है। व्यवसाय में अड़चन आएंगे।

वृश्चिक

पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। शुभ समाचार मिलेंगे। मान बढ़ेगा। प्रसन्नता रहेगी। मन में उत्साह रहेगा, जिससे कार्य की गति बढ़ेगी। आपके कार्यों को समाज में प्रशंस मिलेंगे। भागीदारी में आपके द्वारा लिए गए निर्णयों से लाभ होगा। मान-सम्मान मिलेगा। नेत्र पीड़ा हो सकती है।

धनु

धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कवहरी के कार्य बनेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। वोट व रोग से बचें। कार्य-व्यवसाय में लाभ होने की संभावना है। दांपत्य जीवन में अनुकूलता रहेगी। सामाजिक समारोहों में भाग लेंगे। सुकर्मों के लाभकारी परिणाम मिलेंगे। श्रम्रम किए गए कार्य पूर्ण होंगे।

मकर

पुराना रोग उभर सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। यात्रा का शुभ योग होने के साथ ही कठिन कार्य में भी सफलता मिल सकेगी। रिश्तेदारों से संपत्ति संबंधी विवाद हो सकता है। व्यापार-नौकरी में लाभ होगा। नई योजना बनेगी। कार्यण्णाली में सुधार होगा।

कुंभ

जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। भित्तिव्यतिा को ध्यान में रखें। कुटुंबियों से संबंध सुधरेंगे। शत्रुओं से सावधान रहें। व्यापार लाभप्रद रहेगा। खर्चों में कमी करें। परिवार के कार्यों को प्राथमिकता दें।

मीन

रोजगार में वृद्धि होगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे। गर्व-अहंकार को दूर करें। राजनीतिक ध्यक्तियों से लाभकारी योग बनेंगे। मनावेल बढ़ने से तनाव कम होगा। साझेदारी में नवीन प्रस्ताव प्राप्त हो सकेंगे। आय से व्यय अधिक होंगे।



डिजिटल अरेस्ट कर बुजुर्ग दंपती से 6 लाख की ठगी

निसं

जयपुर (नवयत्न)। मानसरोवर थाना इलाके में साइबर ठाों ने पुलिस और एटीएस अधिकारी बनकर 70 वर्षीय बुजुर्ग दंपती को सात दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा और जेल भेजने व संपत्ति सीज करने की धमकी देकर करीब 6 लाख रुपए ठा लिए। रकम ट्रांसफर करवाने के बाद भी आरोपी लगातार वीडियो कॉल कर दंपती को धमकाते रहे। पीड़ित बुजुर्ग दंपती शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त हैं। मानसरोवर थाना पुलिस ने शनिवार शाम जीरो नंबर एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की है। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि 2 सितंबर को दोपहर करीब 1:30 बजे सुनीता शर्मा नाम की महिला ने फोन कर खुद को पुलिस इस्पेक्टर बताया। उसने मोबाइल नंबर के खिलाफ एटीएस में शिकायत और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाते हुए कमिश्नरेंट लालकोठी आने को कहा। तबीयत खराब होने की बात कहने पर महिला ने वीडियो कॉफ्रेंसिंग से जोड़ दिया। इसके बाद आरोपी ने खुद को एटीएस का वरिष्ठ अधिकारी प्रेम कुमार गौतम बताया और घर से उठवाने, संपत्ति सीज करने तथा बच्चों को नुकसान पहुंचाने की धमकी दी। ठाों ने दंपती के मोबाइल सर्विलांस पर लेने की बात कही और वॉट्सऐप पर दोनों के नाम के गिरफ्तारी एवं संपत्ति सीज करने के कथित वारंट दिखाए। उन्हें प्रायोरीटी इन्वेस्टिगेशन में रखने की बात कहते हुए 4 सितंबर को कथित चीफ अधिकारी से वीडियो कॉल पर बात कराई गई। इस दौरान दो-तीन घंटे तक बैंक खातों और संपत्ति से जुड़ी जानकारी पूछी गई। 6 सितंबर को फिर वीडियो कॉल कर आरोपियों ने दंपती के बैंक खाते में बड़े अमाउंट का ट्रांसफर होने और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों से जुड़े एक आरोपी द्वारा उनका नाम बताए जाने की बात कही। ठाों ने कथित ट्रांजेक्शन चार्ज आरबीआई में जमा कराये के नाम पर 6 लाख 3 हजार 300 रुपए एक बैंक खाते में ट्रांसफर करने को कहा। डर के कारण बुजुर्ग ने 7 सितंबर को रकम बताए गए खाते में जमा करवा दी। रकम ट्रांसफर होने के बाद भी 8 सितंबर से आरोपी लगातार वीडियो कॉल कर और रुपए जमा कराने का दबाव बनाते रहे। ठाी का अहसास होने पर पीड़ित ने साइबर थाने में शिकायत दी।

पुलिस ने जीरो नंबर एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस आरोपियों के बैंक खातों और कॉलिंग से जुड़े सुरागों की जांच कर रही है।

पाबोलाव हनुमान पशु मेले का इंडारोहण के साथ शुभारंभ



अमृतकर बल्ल्ही

लाडनू (नवयत्न)। पंचायत समिति लाडनू की ओर से पाबोलाव मेला मैदान में आयोजित होने वाले प्रसिद्ध हनुमान पशु मेले का रिविार को इंडारोहण के साथ विधिवत शुभारंभ हो गया। मेले का आयोजन 13 से 18 सितंबर तक किया जा रहा है। मेले में राजस्थान सहित उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और मध्यप्रदेश से पशुपालक एवं पशु व्यापारी पहुंच रहे हैं। पंचायत समिति विकास अधिकारी श्रवण कुमार जाखड़ ने बताया कि मेले में पशुपालकों की सुविधा के लिए पानी, रोशनी, सुरक्षा एवं चिकित्सा सहित आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। पशुपालकों के लिए विभिन्न स्थानों से बसों की सुविधा भी उपलब्ध करवाई जा रही है। पाबोलाव मेला मैदान सुजानगढ़-लाडनू के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित होने के कारण यहां आसानी से पहुंचा जा सकता है। अतिरिक्त विकास अधिकारी राधेश्याम सांखला ने बताया कि मेले में मारवाड़ी, नागौरी और शेखावाटी नस्ल के बैल-बछड़े, भैंस, बोकानेरी व जैसलमेरी ऊंट, टोकड़िये तथा घोड़ा-घोड़ी सहित विभिन्न पशु पहुंच रहे हैं। मेले में उत्कृष्ट नस्ल के पशुओं के पालकों को सम्मानित एवं पुरस्कृत भी किया जाएगा। वहीं पशु प्रतियोगिताओं का आयोजन भी होगा। प्रशासन एवं पंचायत समिति की ओर से पशुपालकों से मेले को व्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में सहयोग की अपील की गई है।

मतगणना : 130 प्रत्याशियों के भाग्य का होगा फैसला आज

निसं

श्रीमाम्धोपुर (नवयत्न)। नगर पालिका श्रीमाम्धोपुर के लिए गत 9 सितंबर को हुए मतदान के बाद कस्बे के कुल 35 वार्डों के लिए बने 37 बूथों पर हुए मतदान के बाद कुल 130 प्रत्याशियों का भाग्य ईबीएम में बंद हो गया था जो आज 14 सितंबर को स्टेशन रोड पर स्थित राजकीय कन्या महाविद्यालय श्रीमाम्धोपुर में सुबह 8 बजे से होने वाली मतगणना के बाद खुलेगा। बताया गया कि मतगणना सुबह 8 बजे राजकीय कन्या महाविद्यालय श्रीमाम्धोपुर में पांच टेबलों पर होगी। मतगणना के कुल 8 राउंड होंगे। भाजपा व कांग्रेस द्वारा अपने-अपने प्रत्याशियों के साथ ही जिताऊ निर्दलीय उम्मीदवारों को भी अपने-अपने पक्ष में करने का प्रयास किया जा रहा है। दोनों ही दलों की ओर से अपना अपना पालिका अध्यक्ष बनाए जाने का दावा किया जा रहा है। कस्बे में चर्चा है कि पालिकाध्यक्ष चुनने में विजय होने वाले निर्दलीयों को अहम भूमिका रहेगी।

1.83 करोड़ के प्लॉट को हड़पने वाला हिस्ट्रीशीटर भूमाफिया गिरफ्तार

निसं

जयपुर (नवयत्न)। सांगानेर सदर थाना पुलिस ने भूखंड हड़पने, फर्जी एवं कूटरचित दस्तावेज तैयार करने और डराने-धमकाने के मामले में कार्रवाई करते हुए थाने के हिस्ट्रीशीटर और आदतन भूमाफिया घनश्याम शर्मा को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने साथियों के साथ मिलकर 1 करोड़ 83 लाख रुपए कीमत के 533 वर्ग गज के भूखंड को हड़पने की साजिश रची। इकरारनामे के स्टाम्प की पुष्ट पर फर्जी लिखावट कर 1 करोड़ 50 लाख रुपए का नगद भुगतान दर्शाया और इसी आधार पर भूखंड पर कब्जे का प्रयास किया। पुलिस उपायुक्त दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि 40



वर्षीय आरोपी घनश्याम शर्मा निवासी सांगानेर को गिरफ्तार किया गया। आरोपी को खिलाफ विभिन्न थानों में मारपीट, जुआ, छेड़छाड़, गृह अतिचार, अवैध कब्जे और धोखाधड़ी सहित करीब 16 अपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस उपायुक्त दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि मोहनपुरा, मानसरोवर निवासी लता शर्मा ने 21 फरवरी 2026 को इस्तगसा के

राजकीय जालान चिकित्सालय में एक्सरे के अत्याधुनिक डी-आर सिस्टम का हुआ उद्घाटन

नवरतन वर्मा

रतनगढ़ (नवयत्न)। स्थानीय सेठ सूरजमल जालान राजकीय जिला चिकित्सालय में अत्याधुनिक डी-आर सिस्टम से लैस नवीनीकृत एक्सरे रूम का उद्घाटन भामाशाह अनोज अजीतसरिया, ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ सुखवीर खीचड़, डॉ लालचन्द सुथार एवं डॉ अरविन्द शर्मा द्वारा फीता काटकर किया गया। श्री गांधी बाल निकेतन द्वारा सरकारी चिकित्सालयों के सुदृढ़ीकरण हेतु चलाई जा रही मेडिकल इक्विपमेंट परियोजना के तहत नागपुर निवासी भामाशाह अनोज अजीतसरिया द्वारा अपने पूर्वजों जगदीश प्रसाद रतनलाल अजीतसरिया की पुण्य स्मृति में

दिये गये 15 लाख रूपये के आर्थिक सहयोग से विश्व की बेस्ट कम्पनी फुजीफिल्म का डी-आर सिस्टम स्थापित करवाया गया है तथा एक्सरे रूम का नवीनीकरण भी हुआ है। डॉ सुथार ने अपने उद्घोधन में कहा कि चिकित्सकों को भामाशाहों की मंशा के अनुरूप भारी लागत से स्थापित नई तकनीक की मशीनों का भरपूर उपयोग कर अधिकाधिक मरीजों को इससे लाभ पहुंचाना चाहिए। डॉ अरविन्द शर्मा व सुखवीर खीचड़ ने परियोजना के फाउंडर राजीव उपाध्याय व भामाशाहों का आभार प्रकट कर धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि किसी को जरूरत की चीज देना मानवता है। परन्तु हजारों मरीजों की तरफ ध्यान देकर उन्हें

इलाज के लिए सर्वश्रेष्ठ संसाधन उपलब्ध करवाना महामानवता है। चम्पालाल जीवनभर आमजन की आवाज बनकर उनके हित में कार्य करते रहे उन्होंने के नवसे कदमों पर आज राजीव उपाध्याय चल रहे हैं। भगवान की कृपा से यहां के लोगों की सेवा करने का अवसर हमें प्राप्त हुआ है। मैं चाहूंगा की आगे भी हमें मानवता की सेवा करने के अवसर मिलते रहें। प्रोजेक्ट फाउंडर उपाध्याय ने अपने स्वागत उद्घोधन में क्षेत्र के लोगों की ओर से भामाशाह परिवार का आभार प्रकट करते हुए बताया कि चिकित्सालय प्रशासन के अनुरोध पर भामाशाह के उदार सहयोग से

चिकित्सालय में एक्सरे की आधुनिकतम तकनीक डी-आर सेटअप की स्थापना से प्रतिमाह हजारों मरीजों को राहत मिलेगी। आने वाले दिनों में 65 लाख से अधिक की राशि से ऑपरेशन थियेटर सेपरेशन व ब्लड बैंक के नवीनीकरण का कार्य भी करवाया जायेगा जिस पर भामाशाहों से चर्चा की जा रही है।

इस अवसर पर मंचस्थ अतिथियों द्वारा भामाशाह परिवार के अनोज अजीतसरिया व उनके सुपुत्र राखव अजीतसरिया का साफा व शॉल ओढ़ाकर तथा भामाशाह अजीतसरिया की धर्मपत्नी रंजना अजीतसरिया व उनकी बहु आन्या अजीतसरिया का चुनरी ओढ़ाकर सम्मान किया गया।



लोहिया कन्या महाविद्यालय में मतगणना आज

नवरतन वर्मा

रतनगढ़ (नवयत्न)। नगर पालिका चुनाव 2026 के अन्तर्गत आज सोमवार को प्रातः 8 बजे से श्रीमती केशरी देवी लोहिया राजकीय कन्या महाविद्यालय में कुल 45 वार्डों के 63 बूथों की मतगणना लोहिया राजकीय कन्या महाविद्यालय कमरा नंबर 03 में 10 मतगणना टेबलों पर कुल 7 राउंड में मतगणना होगी। उक्त जानकारी देते हुए रिटर्निंग अधिकारी मिथलेश कुमार ने मतगणना केंद्र पर मतगणना टेबल, कार्मिकों की तैनाती, सुरक्षा व्यवस्था, प्रवेश एवं निकास व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से सुनिश्चित करने के दिए निर्देश।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतगणना केंद्र पर किया निरीक्षण

निसं

जयपुर (नवयत्न)। नगरीय निकाय आम चुनाव 2026 के अन्तर्गत जयपुर जिले की नगर निगम, नगर परिषद् एवं नगरपालिकाओं के मतदान के पश्चात् सोमवार 14 सितंबर को प्रातः 8 बजे से मतगणना होगी। नगर निगम जयपुर के 150 वार्डों में हुए मतदान को मतगणना श्री भवानी निकेतन कॉलेज ऑफ फार्मेसी सीकर रोड जयपुर में होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी संदेश नायक ने श्री भवानी निकेतन कॉलेज ऑफ फार्मेसी स्थित मतगणना स्थल का रविवार को निरीक्षण करने के उपरांत मतगणना स्थलों पर पेयजल, चिकित्सा, गुणवत्तापूर्ण भोजन, साफ-सफाई



सहित समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए हैं ताकि प्रत्याशियों, कार्मिकों एवं कार्डटिंग एजेंटों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस दौरान डीसीपी प्रशांत किरण ने बताया कि मतगणना केंद्र पर पुलिस की पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। उन्होंने बताया कि बिना अधिकृत

प्रवेश-पत्र के किसी को भी मतगणना केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। मोबाइल फोन मतगणना केंद्र में लाना वर्जित रहेगा। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी मेघराज मीणा, अतिरिक्त जिला कलक्टर चतुर्थ आशीष कुमार, तहसीलदार निर्वाचन कुलदीप सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

109 शिक्षकों सहित कुल 144 जनों को किया सम्मानित

नवरतन वर्मा

रतनगढ़ (नवयत्न)। राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों की महती भूमिका है। उक्त विचार शिवबाड़ी बीकानेर के महंत स्वामी विमर्शानन्द गिरि महाराज ने समाजसेवी संस्था दी यंग्स वेलफेयर सोसायटी के 40वें वार्षिकोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि देश को चरित्रवान, संकल्पवान और राष्ट्रभक्त युवाओं की आवश्यकता है जो स्वस्थ, समृद्ध और विकसित भारत के निर्माण में सहभागी बन सकें। अग्रसेन भवन में सोसायटी के वार्षिकोत्सव पर 26वाँ रामगोपाल गिरधारीलाल सराफ अलंकरण एवं शिक्षक विद्यार्थी सम्मान समारोह का आयोजन सीबीईओ संदीप व्यास की अध्यक्षता तथा विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय पत्रकार डॉ मीना शर्मा जकपुर एवं स्वागताध्यक्ष समाजसेवी विवेक कुमार सराफ



अहमदाबाद के आतिथ्य में हुआ। अध्यक्षीय उद्घोघन में भारत ही दुनियां को सही राह दिखा सकता है। निदेशक रघुनंदन धरेंद्र ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जताते हुए उन्हें बधाई दी। विशिष्ट अतिथि डॉ मीना शर्मा ने शिक्षा, संस्कृति और सेवा को समाज के विकास की महत्वपूर्ण कड़ी बताते हुए बालिका शिक्षा और सशक्तिकरण पर बल दिया। स्वागताध्यक्ष समाजसेवी विवेक कुमार सराफ ने दुनिया के बड़े देशों में बढ़ती सामरिक प्रतिस्पर्धा को वैश्विक शांति और मानवता के

लिए खतरा बताते हुए कहा कि इस विषम परिस्थिति में भारत ही दुनियां को सही राह दिखा सकता है। निदेशक रघुनंदन धरेंद्र ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा चंद्रप्रकाश कोका ने आभार जताया। इस अवसर पर लब्धप्रतिष्ठ पत्रकार एवं टीवी उद्घोषक डॉ मीना शर्मा जयपुर को पत्रकारिता, नारी सशक्तिकरण एवं सामाजिक सरोकार के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए 26वाँ रामगोपाल गिरधारीलाल सराफ अलंकरण प्रदान किया गया। डॉ शर्मा को शॉल, श्रीफल, अभिनंदन

पत्र एवं अलंकरण के साथ 11 हजार की राशि भेंट की गई। कार्यक्रम में माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक बोर्ड परीक्षा 2026 में तहसील में अव्वल 18 मेधावी विद्यार्थियों, सैंकंडरी परीक्षा का 100 प्रतिशत परिणाम देने वाले नगरपालिका क्षेत्र के 16 विद्यालयों के संस्था प्रधानों और बोर्ड परीक्षाओं में अपने विषय का 100 प्रतिशत परिणाम देने वाले 109 शिक्षकों सहित कुल 144 जनों को सम्मानित किया गया। मंचस्थ अतिथियों का राजश्री सराफ, गिरधारीलाल बाजोरिया, प्रदीप कुमार शर्मा, महेश कुमार सिमार, कन्हैयालाल चौमाल, नंद कुमार माटोलिया, दौलतराम पोद्दार, सांवरमल सोनी, बनवारीलाल शर्मा, विष्णुदत्त धर्ध, सचिन विरमानी, राकेश कुमार नायक, खींवामन शर्मा, देवीसिंह पंवार, मुकेश वर्मा ने स्वागत किया। मंचिय संचालन शिक्षक राकेश गहलोत ने किया।

गणेश चतुर्थी आज : छोटी काशी में घर-घर होगी सिद्धिविनायक की मनुहार

निसं

जयपुर (नवयत्न)। गुलाबी नगरी छोटी काशी में प्रथम पूज्य भगवान गणेश का जन्मोत्सव सोमवार को श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। इसी के साथ दस दिवसीय गणेशोत्सव का आगाज होगा। जिसका समापन 25 सितंबर को अनंत चतुर्दशी पर गणपति विसर्जन के साथ होगा। गणेश जन्मोत्सव को लेकर शहर के प्रमुख शिक्षण मंदिरों में तैयारियां अंतिम चरण में हैं। मंदिरों को रंगीन रोशनी, बंदनवार और पत्रियों से सजाया गया है। घर-घर भी गणेश प्रतिमाओं की स्थापना कर अभिषेक, नया चोला, पूजन और आरती की जाएगी। मोतीडूंगरी गणेशजी मंदिर, गढ़ गणेश, नहर के गणेशजी, परकोटा गणेश मंदिर, ध्वजाधीश गणेश, लाल डूंगरी गणेश, सिद्धिविनायक मंदिर, सूरजपोल स्थित श्री श्वेत सिद्धि विनायक मंदिर, बंगाली बाबा आश्रम दिल्ली रोड स्थित गणेश मंदिर, कुंदीगर भैरुजी के रास्ते स्थित सिद्ध गणेश मंदिर सहित ब्रह्मपुरी माउंट रोड स्थित दक्षिणावर्ती सड़ एवं दक्षिणाभिमुख श्री नहर के गणेशजी मंदिर समेत शहर के



अन्य मंदिरों में विशेष आयोजन होंगे। पंडित राजेश कुमार शर्मा के अनुसार चतुर्थी तिथि 14 सितंबर सोमवार को सुबह 7:06 बजे शुरू होकर 15 सितंबर सुबह 7:44 बजे तक रहेगी। उदयातिथि के मान से गणेश चतुर्थी 14 सितंबर को ही मनाई जाएगी। गणेश पूजन के लिए मध्याह्न काल सुबह 11:08 बजे से दोपहर 1:36 बजे तक रहेगा। इस दौरान ब्रह्म योग दोपहर 12:47 बजे तक रहेगा। साथ ही रवि योग और स्वाति नक्षत्र का शुभ संयोग

रहेगा। इस बार गणेश चतुर्थी और हस्तातलिका तीज का एक ही दिन पड़ना विशेष संयोग है। तुतीया तिथि सुबह 7:06 बजे समाप्त होने के बाद चतुर्थी शुरू होगी। महिलाएं भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा कर हस्तातलिका तीज का व्रत रखेंगी। इसके साथ ही शुभ मुहूर्त में घरों और सार्वजनिक पंडालों में रिद्धि-सिद्धि के दाता भगवान गणेश की स्थापना की जाएगी। सोमवार का दिन भगवान शिव को समर्पित होने और इसी दिन उनके पुत्र गणेश की चतुर्थी होने से पूर्व का धार्मिक महत्व और बढ़ गया है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार गणपति को प्रथम पूज्य और द्वारपाल के रूप में स्थापित कर सुख, शांति और समृद्धि की कामना की जाएगी। गणेश चतुर्थी पर श्री गणेश पूजन समिति की ओर से चारदीवारी के सभी प्रमुख द्वारों पर विराजित गणेशजी की विधि-विधान से पूजा की जाएगी। शहर के विभिन्न मंदिरों में महाआरती, जागरण और शोभायात्राओं के आयोजन भी होंगे। गणेश जन्मोत्सव को लेकर मंदिरों और घरों में विशेष सजावट के साथ श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है।

घर-घर आज विराजेंगे गजानंद

84 साल बाद गणेश चतुर्थी पर बन रहा नवपंचम राजयोग

मेष, वृषभ, कन्या और मकर राशि वालों को आर्थिक तरक्की के योग

वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इस साल गणेश चतुर्थी पर कई शुभ योगों का निर्माण हो रहा है। 14 सितंबर को पड़ने वाले गणेश उत्सव के दौरान मालव्य, भद्र राजयोग से लेकर हंस राजयोग, रवि योग का निर्माण हो रहा है। इसके अलावा बुध और अरुण के संयोग से नवपंचम राजयोग का निर्माण हो रहा है। इस दिन अरुण और बुध एक-दूसरे से 12- डिग्री पर नवपंचम राजयोग का निर्माण करेंगे। ऐसे में कुछ राशि के जातकों के ऊपर गणपति बप्पा का विशेष आशीर्वाद हो सकता है। जीवन में खुशहाली की दस्तक हो सकती है। ये विश्लेषण चंद्र राशि के आधार पर किया जा रहा है। आइए जानते हैं नवपंचम राजयोग किन राशियों के लिए हो सकता है शुभ-द्रिक पंचांग के अनुसार, बुध और अरुण 14 सितंबर को सुबह 08:07 बजे 120 डिग्री पर होंगे, जिससे नवपंचम राजयोग का निर्माण हो रहा है। गणेश चतुर्थी के दिन बुध अपनी स्वराशि कन्या और अरुण वक्री अवस्था में वृषभ राशि में विराजमान है।

मेष राशि पर नवपंचम राजयोग का असर

मेष राशि के जातकों के लिए ये राजयोग काफी लाभप्रद हो सकता है। इस राशि के छठे भाव में बुध और दशम भाव में अरुण विराजमान है। ऐसे में मेष राशि के जातकों के लिए ये अवधि किस्मत का साथ दिला सकती है। आपके लंबे समय से अटकें काम पूरे हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होने के योग बन रहे हैं। इसके साथ ही व्यापारियों को भी काफी मुनाफा हो सकता है। कोई बड़ी डील साइन कर सकते हैं।



साझेदारी में किया जा रहा व्यापार में काफी लाभ मिल सकता है। मान-सम्मान में तेजी से वृद्धि के भी योग बन रहे हैं। परिवार वालों के साथ अच्छा लमय बीत सकता है। परिवार या दोस्तों के साथ धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। आय के नए स्रोत खुल सकते हैं। ऐसे में भविष्य के लिए बचत कर पाने में सफल हो सकते हैं।

वृषभ राशि पर नवपंचम राजयोग का असर

वृषभ राशि के जातकों के लिए भी गणेश चतुर्थी का दिन काफी अच्छा जा सकता है। इस राशि की गोचर कुंडली के पंचम भाव में बुध और लग्न भाव में अरुण विराजमान रहेंगे। ऐसे में इस

राशि के जातकों को किस्मत का पूरा साथ मिल सकता है। नौकरीपेसा जातकों को उनके द्वारा की जा रही मेहनत और काम की सराहना हो सकती है। आपको कार्यस्थल में कोई बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। इसके साथ ही बेरोजगारों को नौकरी मिल सकती है। अध्यात्म की ओर भी आपका झुकाव हो सकता है। आप अपने लक्ष्यों को पाने में सफल हो सकते हैं। समाज में मान-सम्मान की वृद्धि के योग बन रहे हैं।

कन्या राशि पर नवपंचम राजयोग का असर

कन्या राशि के जातकों की बात करें, तो बुध-अरुण के संयोग से बना नवपंचम राजयोग

कई मायनों में खास हो सकता है। इस राशि की गोचर कुंडली में बुध की स्थिति की बात करें, तो वह लग्न भाव और अरुण नौवें भाव में संचरण कर रहे हैं। ऐसे में इस राशि के जातकों को हर क्षेत्र में भाग्य का साथ मिल सकता है। लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि बिना मेहनत किए कुछ नहीं मिलता है। इसलिए काम, व्यापार सहित अन्य क्षेत्रों में लगन, मेहनत करते रहे। इससे आपको किस्मत का साथ मिल सकता है। लग्न भावमें बुध के होने से आपकी बौद्धिक क्षमता में तेजी से वृद्धि हो सकती है।

मकर राशि पर नवपंचम राजयोग का असर

मकर राशि के जातकों के लिए नवपंचम राजयोग काफी शुभ हो सकता है। इस राशि की गोचर कुंडली में बुध नवम भाव में और पंचम भाव में वक्री अवस्था में वरुण विराजमान होंगे। ऐसे में इस राशि के जातकों के लिए नवपंचम राजयोग सोने पे सुहागा की तरह कार्य कर सकता है। इस राशि के जातकों के लंबे समय से रुके काम पूरे होने के साथ-साथ कर्ज से निजात मिल सकती है। आमदनी के कई नए स्रोत खुल सकते हैं। इसके साथ ही जीवन में लंबे समय से चली आ रही चुनौतियाँ, संघर्ष समाप्त हो सकते हैं। परिवार के साथ अच्छा वक्त बीत सकता है। छात्रों के लिए भी ये अवधि लाभकारी हो सकती है। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को सफलता हासिल हो सकती है। स्वास्थ्य अच्छा रहने वाला है।



सिद्धि विनायक रूपः लाल रंग, बैठे गणेश और हाथ में रुद्राक्ष की माला

सिद्धि विनायक रूप की मूर्ति लाल रंग की होती है। ये बैठे हुए गणेश होते हैं। मूर्ति के सिर पर मुकुट और गले में हार होता है। दायां दांत टूटा और बायां पूरा होता है। नाग की जनेऊ पहनी होती है। एक हाथ आशीर्वाद देते हुए, दूसरे हाथ में मोदक और रुद्राक्ष की माला रहती है। तीसरे हाथ में अंकुश (हथियार) रहता है। चौथे में पाश होता है। दायां पैर मुड़ा हुआ और बायां नीचे की तरफ निकला हुआ होता है।

गणेश जन्म से जुड़ी पुराणों की 4 कहानियाँ

शिव पुराणः देवी पार्वती ने शरीर के मेल से बनाए गणेश

देवी पार्वती ने नहाने से पहले अपने शरीर के मेल से एक बच्चे का पुतला बनाया और उसमें प्राण डाले। देवी ने उसे द्वारपाल बनाकर आज्ञा दी कि कोई भीतर न आए। जब शिव आते हैं तो बालक उन्हें रोकता है। शिव और उस बालक के बीच युद्ध होता है। शिव अपने त्रिशूल से उस बच्चे का सिर काट देते हैं। बच्चे को देख पार्वती दुखी होती हैं। उनके गुस्से से सृष्टि को बचाने के लिए बच्चे के शरीर पर हाथी का सिर लगाया जाता है और उसे फिर से जीवन दिया जाता है। शिव बच्चे को गजानन नाम और प्रथम पूज्य होने का वरदान देते हैं।

लिंग पुराणः शिवजी ने प्रकट किया गणेश को, विघ्नेश्वर कहलाए

देवगण बृहस्पति के साथ शिव से प्रार्थना करते हैं कि अधर्मियों के कामों में विघ्न डालने वाला एक देव रूप दें, जिससे धर्मात्मा सुखी हों। तब शिव ने गणेश्वर को प्रकट किया। पार्वती उन्हें गजानन रूप देती हैं। शिव पुत्र-जन्म के संस्कार कराते हैं और वरदान देते हैं कि तीनों लोक में सबसे पहले तुम्हारी पूजा होगी। साथ ही तुम विघ्नेश्वर और विनायक कहलाओगे। तुम्हारे गण अधर्मियों के कामों में रुकावटें पैदा करेंगे। इसके बाद गणेश अपने विघ्न-गणों की स्थापना करते हैं।

वराह पुराण : रुद्र से प्रकट हुए गणेश, विनायक नाम पड़ा

ऋषि मुनियों की पूजा में आसुरी शक्तियाँ रुकावट डाल रही थीं। ऐसे में देवता और पितर कैलाश जाकर शिव से उपाय मांगते हैं। शिव देवी पार्वती को देखते हुए विचार करते हैं कि मेरी देह पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु में तो है, लेकिन आकाश में क्यों नहीं और हंस पड़ते हैं। रुद्र के इस भाव से तेजस्वी बालक प्रकट होता है। उसे देखकर पार्वती मुग्ध हो जाती हैं। इस पर रुद्र को गुस्सा आता है और वो बालक को श्राप देते हैं कि तुम्हारा मुँह हाथी जैसा हो जाए, घेठ बड़ा हो जाए और तुम्हारी जनेऊ नाग बन जाए। तब ब्रह्मा आकर कहते हैं जो रुद्र के भाव से उत्पन्न हुआ वो गणपति बने। तब शिव का गुस्सा शांत होता है और उस बालक को विनायक, विघ्नकर और गणेश नाम दिया जाता है। वरदान भी दिया जाता है कि हर पूजा आराधना से पहले गणपति की पूजा अनिवार्य है।

स्कंद पुराणः पार्वती ने बनाया गजमुखी बालक, शिवजी ने वरदान दिया

राक्षसों के कामों में रुकावट डालने के लिए देवताओं ने देवी की स्तुति की। देवी पार्वती ने अपने शरीर के मेल से गजमुख बच्चे की मूर्ति बनाई। शिव ने उसमें प्राण डाले और कहा ये मेरी तरह पराक्रमी होगा। पापी और धर्म का अनादर करने वालों को विघ्न देगा। बिना इसकी पूजा के कोई शुभ काम पूरा नहीं होगा। शिव उस बालक को तारकासुर से लड़ने के लिए भेजा। उस युद्ध में गणेश ने तारकासुर को परेशान किया और कार्तिकेय ने वध किया। तब से गणेश विघ्नेश्वर कहलाए।

गणेश चतुर्थी 2025 पूजा विधि

- गणेश चतुर्थी पर्व पर कुछ खास बातों का ध्यान बेहद जरूरी है।
- सुबह जल्दी उठकर स्नान-ध्यान करें और पूजा स्थल की अच्छे से साफ सफाई करें।
- इसके बाद भगवान गणेश की विधिवत उपासना करें।
- उपासना के लिए शुभ मुहूर्त के समय ईशान कोण में चौकी स्थापित करें।
- इसके बाद पीला या लाल रंग का कपड़ा चौकी पर बिछाएं।
- अब भगवान गणेश को चौकी पर विराजमान करें।
- फिर रोजाना भगवान गणेश की उपासना करें।
- अंतिम दिन श्रद्धापूर्वक भगवान गणेश को विदा करें।

गणेश चतुर्थी स्पेशल भोग

लड्डू - भगवान गणेश को लड्डू का भोग लगाया जाता है। आप बेसन या बूंदी से बने लड्डू का भोग लगा सकते हैं। मोदक- इसके अलावा बप्पा को मोदक बहुत ही पसंद माने जाते हैं। पुराणों में जिक्र का गया है कि गणेश जी बचपन में अपनी मां पार्वती के बनाए गए मोदक पलभर में चट कर जाते थे।

गणेश चतुर्थी का महत्व

गणेश चतुर्थी पर गणेश जी की पूजा करने से सुख-समृद्धि आती है। इसके साथ ही सभी कष्टों से छुटकारा मिल जाता है। सभी तरह के काम होने लगते हैं। घर पर गणेश स्थापना करने से गणेश जी घर के सभी विघ्नों को हर लेते हैं।

गणेशोत्सव का इतिहास

ऐसा माना जाता है कि गणेश चतुर्थी की शुरुआत 12वीं शताब्दी में महाराष्ट्र में हुई थी। इस त्योहार को मराठा राजा शिवाजी महाराज ने लोकप्रिय बनाया था। उन्होंने इस त्योहार की शुरुआत अपने लोगों को एकजुट करने और हिंदू संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए किया था। शुरुआती दौर में इसे सिर्फ महाराष्ट्र में मनाया जाता था। लेकिन बाद में यह भारत और दुनिया के अन्य हिस्सों में फैल गया। यह त्योहार अब भारत, नेपाल, मॉरीशस और दक्षिण अफ्रीका समेत कई देशों में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है।



गणेश चतुर्थी पर करें 5 आसान उपाय, घर में पाएं सुख-शांति और धन लाभ

गणेश चतुर्थी हिंदू धर्म का एक प्रमुख पर्व है, जिसे भगवान गणेश के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। महाराष्ट्र समेत देश के विभिन्न राज्यों में इसे बड़े धूमधाम से गणेशोत्सव के नाम से मनाया जाता है। यह पर्व भाद्रपद माह की शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को पड़ता है। इस अवसर पर भक्त अपने घरों या सामूहिक पंडालों में गणेशजी की मूर्ति स्थापित करके पूजा-अर्चना करते हैं। यह केवल उत्सव का दिन नहीं है, बल्कि इसे सकारात्मक ऊर्जा, खुशहाली और बाधाओं के निवारण का प्रतीक माना जाता है। यदि आप चाहते हैं कि आपके जीवन के संकट कम हों और परिवार में सुख-शांति बनी रहे, तो इस दिन कुछ विशेष उपाय करना बेहद लाभकारी होता है।

गणेश चतुर्थी पर करें ये आसान उपाय

दीपक जलाएं

उत्तर-पूर्व दिशा में दीपक जलाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है और नकारात्मक शक्तियाँ दूर होती हैं। इससे परिवार पर मां लक्ष्मी का आशीर्वाद बना रहता है और धन लाभ होता है।

मोदक का भोग

गणेशजी को मोदक का भोग अर्पित करना अत्यंत शुभ माना जाता है। इससे जीवन की समस्याएं कम होती हैं और घर में सुख-शांति बनी रहती है।

दूर्वा चढ़ाएं

गणेशजी को दूर्वा अत्यंत प्रिय है। उनके मस्तक पर दूर्वा चढ़ाने से बप्पा की विशेष कृपा प्राप्त होती है।

गणेश स्तोत्र का पाठ

सच्चे मन से गणेश स्तोत्र का पाठ करने से आर्थिक स्थिति में सुधार होता है और धन लाभ के योग बनते हैं।

लौंग-कपूर आहुति

परिवार पर किसी की नजर न लगे, इसके लिए संकष्टी चतुर्थी के दिन भगवान गणेश के सामने गोबर के उपले पर 2 कपूर और 6 लौंग की आहुति दें। आहुति की लौ परिवार के सभी सदस्य अपने माथे से स्पर्श करें।

गणेश चतुर्थी के उपायों का महत्व

इन उपायों को करने से न केवल घर में सुख-शांति आती है, बल्कि जीवन की बाधाएं कम होती हैं। सही तरीके से पूजा करने पर आप व्यक्तिगत और पारिवारिक दोनों क्षेत्रों में खुशहाली का अनुभव कर सकते हैं।

गणेश चतुर्थी पर अपनी राशि के अनुसार लगाएं भोग, पाएं गणपति की विशेष कृपा

इस साल भाद्रपद मास की गणेश चतुर्थी 27 सितंबर को धूमधाम से मनाई जाएगी। इस दिन भक्त गणपति बप्पा की स्थापना करके उन्हें मोदक, लड्डू और तरह-तरह के स्वादिष्ट व्यंजन अर्पित करते हैं। मान्यता है कि गणेश जी को प्रिय भोग अर्पित करने से वे प्रसन्न होकर भक्तों की सभी बाधाएं दूर करते हैं और जीवन में नई ऊर्जा का संचार करते हैं।

कैसे बने माता पार्वती के लाड़ले गणेश गजमुख देव, जानिए पौराणिक कथा-शास्त्रों में यह भी बताया गया है कि यदि भगवान गणेश को उनकी पसंद के साथ-साथ अपनी राशि के अनुसार भोग अर्पित किया जाए, तो उसका फल कई गुना बढ़ जाता है। इससे न सिर्फ गणपति जल्दी प्रसन्न होते हैं, बल्कि साधक को सुख-समृद्धि, सौभाग्य और सफलता का आशीर्वाद भी मिलता है। आइए जानते हैं, आपकी राशि के अनुसार गणपति बप्पा को कौन सा भोग अर्पित करना शुभ माना जाता है।

मेष राशि

इस राशि के जातक यदि गणपति बप्पा को गुड़ और गेहूं से बने लड्डू अर्पित करें तो उन्हें करियर में प्रगति और सफलता का वरदान मिलता है। साथ ही जीवन में उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा भी बढ़ती है।

वृषभ राशि

वृषभ राशि वालों के लिए शक्कर और दूध से बनी मिठाई सर्वोत्तम भोग मानी गई है। इससे परिवार में सुख-शांति बनी रहती है और धन-समृद्धि में वृद्धि होती है।

मिथुन राशि

मिथुन राशि के जातकों को गणेश जी को मोदक अर्पित करने चाहिए। ऐसा करने से बुद्धि का विकास होता है, ज्ञान बढ़ता है और वाणी मधुर बनती है।

कर्क राशि

कर्क राशि वालों के लिए खीर या दूध से बनी मिठाई शुभ भोग है। इससे घर-परिवार में खुशियां आती हैं और मानसिक शांति प्राप्त होती है।

सिंह राशि

सिंह राशि के जातक यदि घी और गुड़ से बने लड्डू अर्पित करें तो उनके आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता में वृद्धि होती है। यह भोग करियर में भी शुभ फल देता है।

कन्या राशि

कन्या राशि वालों को पिस्ता और बादाम से बनी मिठाई गणपति को अर्पित करनी चाहिए। इससे बुद्धिमत्ता में निखार आता है और स्वास्थ्य लाभ भी मिलता है।

तुला राशि

तुला राशि के लिए माखन-मिश्री सबसे उत्तम भोग है। इसे अर्पित करने से दौलत जीवन में प्रेम और मधुरता बनी रहती है।





आज खुलेगा 109 प्रत्याशियों के भाग्य का पिढार

निसं

दांतारामगढ़ (नवयत्न)। दांता नगरपालिका चुनाव 2026 में 25 वार्डों से चुनाव मैदान में उतरे 109 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला सोमवार को होगा। पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दांता के कमरा नंबर 3 में सुबह 8 बजे से मतगणना शुरू होगी। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अमृता खंडेलवाल ने बताया कि मतगणना के लिए पांच टेबलें लगाई गई हैं और पूरी मतगणना पांच राउंड में संपन्न होगी। प्रत्याशियों एवं उनके अधिकृत गणना एजेंटों को निर्धारित प्रमाण-पत्र के आधार पर सुबह 7 बजे तक ही मतगणना केंद्र में प्रवेश की अनुमति रहेगी। मतगणना को लेकर प्रशासन की ओर से तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मतगणना स्थल पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। वहीं चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद विजयी प्रत्याशियों द्वारा विजय जुलूस निकालने पर प्रतिबंध रहेगा। परिणाम को लेकर प्रत्याशियों और समर्थकों में उत्सुकता बनी हुई है।

गणेश महोत्सव पर निकलेगी विशाल शोभायात्रा

निसं

दांतारामगढ़ (नवयत्न)। श्री गणेश नवयुवक मंडल दांता के तत्वावधान में सोमवार को श्री गणेश चतुर्थी महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम बाग वाली बगीची दांता में दोपहर 12:15 बजे से आयोजित होगा। इस दौरान महाआरती एवं 1008 लड्डुओं का भोग लगाया जाएगा। महोत्सव के तहत दोपहर 3:15 बजे बाग वाली बगीची से विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा में नासिक बेंड सहित विभिन्न आकर्षण लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगे। कार्यक्रम में गौरिछा, कच्छी घोड़ी, लम्बू भेन और मानव बंदर की प्रस्तुतियां भी शामिल रहेंगी। आयोजक मंडल ने गणेश महोत्सव एवं शोभायात्रा में अधिक से अधिक संख्या में श्रद्धालुओं से शामिल होने का आह्वान किया है।

गणपति महोत्सव आज

निसं

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। मंदिर श्री गोपाल जी कुंड वाला गणेश जी खंडेला रोड श्रीमाधोपुर में श्री गणेश जन्मोत्सव पर श्री गणेश जी महाराज के मेहंदी लगाकर सिंजारा करवाया गया एवं हवन आदि का कार्यक्रम संपन्न करवाया गया। 14 सितंबर सोमवार को श्री गणपति महोत्सव मनाया जाएगा एवं दोपहर सवा 12 बजे महा आरती का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही महा मेले का आयोजन किया जाएगा। रात्रि में भजन संध्या का भी आयोजन किया जाएगा जिसमें स्थानीय एवं बाहरी कलाकारों द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। यह जानकारी महावीर ठठेरा मंत्री मंदिर श्री गोपाल जी कुंड वाला खंडेला रोड श्रीमाधोपुर द्वारा दी गई।



सरस्वती मंदिर की आधारशिला रखी



निसं

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। निकटवर्ती ग्राम मूण्डरू के राजकीय संस्कृत वरिष्ठ उपाध्याय विद्यालय में दिग्गज भामाशाह एवं समाजसेवी डॉ विजय जोशी की ओर से बनाए जा रहे भव्य सरस्वती मंदिर की आधारशिला रखी गई। विद्यालय के प्रधानाचार्य विजयेन्द्र शर्मा ने बताया कि समाजसेवी दिग्गज भामाशाह डॉक्टर विजय जोशी की ओर से विद्यालय परिसर में भव्य सरस्वती मंदिर बनवाया जा रहा है जिसकी वैदिक विधि विधान से पूजा अर्चना कराकर शनिवार को शुभ मुहूर्त में नींव रखी गई। इस दौरान सेवानिवृत्त शिक्षक मोहनलाल चोड्ढास्वामी, वयोवृद्ध शिक्षाविद् नागरचल गुप्ता, भवानी सिंह शेखावत, राज्यपाल द्वारा पुरस्कृत शिक्षक लक्ष्मीनारायण सेनी, रणधीरसिंह सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे।

भागवत बोले- समाज के अतिम व्यक्ति तक पहुंचे स्वयंसेवक

संकट-आपदा में सेवा के लिए रहें तत्पर; जोधपुर में प्रांतस्तरीय कार्यकर्ताओं की ली बैठक

जोधपुर।

जोधपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा- समाज में किसी भी तरह के परिवर्तन की शुरुआत स्वयं से होती है। जब व्यक्ति अपने आचरण, व्यवहार और जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव लाता है, तभी समाज में उसके विचारों की स्वीकार्यता बढ़ती है। स्वयंसेवक समाज को दिशा देने का काम करता है, इसलिए उसके जीवन में कथनी और करनी का सामंजस्य होना बेहद जरूरी है। डॉ. भागवत ने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे आपदा, संकट या सामान्य परिस्थिति-हर समय समाज की सेवा और सहयोग के लिए तत्पर रहें। डॉ. भागवत अपने जोधपुर प्रवास के दौरान रविवार को न्यू पावर हाउस रोड स्थित लघु उद्योग भारती भवन परिसर में आयोजित प्रांत स्तर के दायित्ववान कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

आदर्श आचरण से जीतें समाज का विश्वास

संघ प्रमुख ने कार्यकर्ताओं को कहा- स्वयंसेवक का जीवन केवल संगठनात्मक गतिविधियों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। सत्यनिष्ठा, अनुशासन, संयम, सेवा, समरसता, कर्तव्यबोध और राष्ट्रभक्ति जैसे जीवन मूल्य स्वयंसेवक के व्यक्तित्व की पहचान बनने चाहिए। व्यवहार में विनम्रता, कार्य में पारदर्शिता और आत्मीयता से ही समाज का विश्वास जीता जा सकता है। संघ के शताब्दी वर्ष का उल्लेख करते हुए सरसंघचालक ने कहा- समाज में पंच परिवर्तन को लेकर जागृति लाने का काम चल रहा है। संगठन का विस्तार केवल संख्या से नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर उसके साथ जीवंत संबंध और आत्मीयता बनाने से होता है। कार्यक्रम में राजस्थान क्षेत्र संघचालक डॉ. रमेश अग्रवाल, क्षेत्र प्रचारक निंबाराम, प्रांत संघचालक डॉ. हरदयाल वर्मा और प्रांत प्रचारक विजयानंद सहित जोधपुर प्रांत के कई वरिष्ठ व दायित्ववान कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

3 अक्टूबर को खांदवा में दिखेगी राजस्थान की लोक संस्कृति, तैयारियों को लेकर बैठक में जिम्मेदारियां तय

लोक संगीत, लोकनृत्य, लोककला और पारंपरिक शिल्प के साथ भारतीय संस्कृति की झलक दिखेगी, युवा, महिलाएं और स्थानीय कलाकार भी होंगे शामिल

अशोक राईका

झुंझुनूं (नवयत्न)। बुहाना के खांदवा गांव में 3 अक्टूबर को होने वाली ‘लोकमंथन लोक दर्शन परिक्रमा यात्रा’ को लेकर रविवार को झुंझुनूं के केशव आदर्श विद्या मंदिर में बैठक हुई। बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक मुकेश कुमार ने विभिन्न आनुषंगिक संगठनों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ आयोजन की तैयारियों की समीक्षा की। कार्यक्रम को लेकर सांस्कृतिक गतिविधियों, प्रतिभागियों की सहभागिता और व्यवस्थाओं से जुड़ी जिम्मेदारियों पर चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि लोकमंथन के माध्यम से क्षेत्र की लोक परंपराओं, संस्कृति, संस्कार, रीति-रिवाज और ज्ञान परंपरा को समाज के सामने रखने



का प्रयास किया जाएगा। आयोजन में ग्रामीण और वनवासी समाज के साथ लोक कलाकार, शिल्पकार, संगीतकार, नृत्यकार, युवा और महिलाओं की सहभागिता पर विशेष जोर रहेगा। कार्यक्रम में लोक संगीत, लोकनृत्य,

लोकनाट्य, लोककला, पारंपरिक शिल्प और लोक साहित्य से जुड़ी प्रस्तुतियां होंगी। स्थानीय भाषा और बोलियों, मौखिक परंपराओं तथा ग्रामीण जीवन से जुड़े सांस्कृतिक पक्षों को भी स्थान देने पर चर्चा हुई।

स्थानीय कलाकारों और युवाओं की भागीदारी पर जोर
बैठक में पारंपरिक और विलुप्त होती कला विधाओं को मंच देने के साथ गुरु-शिष्य परंपरा को बढ़ावा देने पर भी विचार किया

मनुष्य की इच्छा रूपी खोपड़ी कभी नही भर सकती : दंडी स्वामी ब्रहानन्द सरस्वती

श्रीराम तिवड़ी

नोखा (नवयत्न)। यहाँ लाहोटी चौक में 29 जुलाई से चल रही श्री वाल्मीकि रामायण कथा के 47वें दिन रविवार को व्यासपीठ पर विराजित दंडी स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती महाराज ने युद्ध कांड की संपन्नता की ओर बढ़ाते हुए कहा कि रावण के सभी विध्वंसी एक-एक करके जा रहे हैं। बड़े-बड़े धुरंधर योद्धाओं के मरने के बाद रावण को बहुत चिंता हुई। ब्रह्माजी सहित सभी रावण से डरते थे। रावण ने महोदर से कहा कि अब मुझे तुम पर विश्वास है, युद्ध करो और इन्हें मारो। महोदर ने सुग्रीव जी को बाणों से मारने लगेए लेकिन सुग्रीव जी ने महोदर को मार दिया। सभी महारथियों के मारे जाने के बाद अब रावण अकेला रह गया, फिर भी रावण ने घोषणा की कि अब मैं राम रूपी वृक्ष को उखाड़ कर फेंक दूंगा। रावण और राम का आमना सामना हुआ। रावण बड़ी-बड़ी डोंगें हांकता हुआ राम से कहता है कि मैंने यह किया, वो किया, तुमने क्या किया किसी



वीर योद्धाओं को मारा है, क्या तेरी भुजाओं में इतनी ताकत है तो आगे मेरे साथ मुकाबला कर। राम और रावण का युद्ध चला। एक बारगी तो रावण डर कर मैदान छोड़कर भाग गया। पुनः बाणों से युद्ध हुआ और भगवान राम ने रावण को मार दिया। रावण के अन्त के साथ ही युद्ध कांड संपूर्ण हुआ। कथा के राम का आमना सामना हुआ। मनुष्य का पेट भर सकता हैए लेकिन इसकी खोपड़ी नहीं भर सकती। मनुष्य का भिक्षा पात्र भर

सकता है, लेकिन इच्छा पात्र कभी नहीं भर सकता। अर्थात मनुष्य की इच्छाओं का कोई अंत नहीं है-चाहे वह कितना ही अरबपति, खरबपति बन जाए, लेकिन इच्छा रूपी खोपड़ी कभी नहीं भरती। आज महाराज ने कन्याओं की घटती संख्या पर चिंता जताते हुए कहा कि जिस घर में कन्या नहीं, तो वो कभी नाना-नानी नहीं बन सकते। इसे विस्तार से प्रकाश डालते हुए कन्याओं के जीवन, कार्यकलापों और भावनाओं पर प्रकाश डाला।

महाराज ने सोमवार को गणेश चतुर्थी कार्यक्रम के बारे में भी प्रकाश डाला।

आयोजन समिति के मीडिया प्रभारी इन्द्रचन्द्र मोदी ने प्रेस नोट जारी करके बताया कि कथा की आरती के बाद हर रोज प्रसाद वितरण किया जाता है। कथा की व्यवस्थाओं पर प्रहलाद मोहता, दामोदर तिवारी, गिरधारी पारीक, नारायण राठी, पवन चांडक, जुगल लोहिया, रमेश मालानी आदि नजर रख रहे हैं।

सुरेस में निकली भव्य कलश यात्रा, गणेश प्रतिमा की हुई स्थापना



निसं

दांतारामगढ़ (नवयत्न)। सुरेस में रविवार को भव्य कलश यात्रा एवं श्री गणेशजी की मूर्ति स्थापना कार्यक्रम आयोजित किया गया। कलश यात्रा की शुरुआत बस स्टैंड स्थित श्रीपंचमुखी बालाजी मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद हुई। गाजे-बाजे के साथ श्रद्धालु जयकारे लगाते हुए कलश यात्रा में शामिल हुए। कलश यात्रा गांव के विभिन्न मार्गों से होते हुए मुख्य बाजार स्थित शिव मंदिर प्रांगण पहुंची। इस दौरान जगह-जगह ग्रामीणों द्वारा कलश यात्रा का स्वागत किया गया। मंदिर प्रांगण में विधि-विधान एवं पूजा-अर्चना के साथ श्री गणेशजी महाराज की मूर्ति को विराजमान किया गया। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने गणेशजी की आरती की। इसके बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष एवं श्रद्धालु मौजूद रहे।

सुरसुरा धाम से पैदल लेकर आए तेजाजी महाराज की पावन ज्योत, कुड़ियों का बास में हुआ भव्य स्वागत

निसं

दांतारामगढ़ (नवयत्न)। तेजाजी महाराज के जयकारों से रविवार को सुरेस के कुड़ियों का बास भक्तिमय हो उठा। सुरसुरा धाम से तेजाजी महाराज की पावन ज्योत लेकर श्रद्धालु भजन,कीर्तन करते हुए पैदल गांव पहुंचे। ज्योत के गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने पुष्प वर्षा कर श्रद्धालुओं का भव्य स्वागत किया। श्रद्धालुओं ने सुरसुरा धाम में तेजाजी महाराज के दर्शन कर विधि-विधान से पावन ज्योत प्रज्वलित की। इसके बाद श्रद्धालुओं का जत्था भजन-कीर्तन



करते हुए पैदल कुड़ियों का बास के लिए रवाना हुआ। रास्तेभर श्रद्धालु तेजाजी महाराज के जयकारे लगाते हुए नाचते-गाते और उत्साह के साथ आगे बढ़ते रहे। शाम को ज्योत के गांव

पहुंचने पर ग्रामीणों ने श्रद्धालुओं में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। तेजाजी महाराज के जयकारों से कुड़िया का बास गुंज उठा और श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

बना रहा। इस धार्मिक आयोजन में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। तेजाजी महाराज के जयकारों से कुड़िया का बास गुंज उठा और श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

बांग्लादेश बोला- भारत से नए सिरे से रिश्ते बनाएंगे

विदेश राज्य मंत्री ने कहा- दोनों देशों में सीधी बातचीत जरूरी, हसीना के दौर के संबंध असहज थे

ढाका। बांग्लादेश ने रविवार को कहा कि वह भारत के साथ अपने रिश्ते को रीसेट करना चाहता है। यानी दोनों देशों के बीच संबंधों को नए सिरे से शुरू करना चाहता है। बांग्लादेश के विदेश राज्य मंत्री हुमायूं कबीर ने कहा कि दोनों देशों के बीच नया रिश्ता आपसी हितों के आधार पर बनाया जाना चाहिए। उन्होंने शेख हसीना के प्रधानमंत्री रहने के दौरान भारत-बांग्लादेश संबंधों को असहज बताया। कबीर ने कहा कि ढाका नई दिल्ली के साथ नए रिश्ते की ओर बढ़ना चाहता है और इसके लिए दोनों देशों के बीच सीधे बातचीत होनी चाहिए।



जिला संयोजक ने बताई तैयारियों की स्थिति
कार्यक्रम के जिला संयोजक योगेंद्र सिंह ने अब तक की तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने विभिन्न संगठनों और कार्यकर्ताओं को सौंपी गई जिम्मेदारियों की प्रगति बताई और आगामी दिनों में किए जाने वाले कार्यों की रूपरेखा रखी। बैठक में आयोजन की व्यवस्थाओं, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, प्रतिभागियों की सहभागिता और प्रचार-प्रसार को लेकर आपसी समन्वय के साथ काम करने पर जोर दिया गया। मुकेश कुमार ने कहा कि लोकमंथन लोक दर्शन परिक्रमा के जरिए स्थानीय लोकजीवन और भारतीय सांस्कृतिक विरासत के विविध पक्षों को समाज के सामने लाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं और संगठनों से मिलकर तैयारियों को गति देने का आह्वान किया।

गया। युवाओं को भारतीय इतिहास और सांस्कृतिक परंपराओं से जोड़ने तथा महिलाओं की लोकगीत, लोकसंस्कार और हस्तशिल्प जैसी गतिविधियों में भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। इसके अलावा भारतीय

ज्ञान परंपरा, वेद-उपनिषद, रामायण, महाभारत, आयुर्वेद और जमीन के संरक्षण से जुड़े भारतीय दृष्टिकोण को भी आयोजन के माध्यम से सामने रखने की बात कही गई।

एआई इंसानों को खत्म कर देगा! चेतावनी देने वालों पर ट्रंप का हमला, बताया ‘नकारात्मक ताकतें’

नई दिल्ली

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को भविष्य में इंसानों के लिए बड़ा खतरा बताने वाली चेतावनियों को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खारिज कर दिया है। ट्रंप ने एआई के आलोचकों पर निशाना साधते हुए उन्हें %नकारात्मक ताकतें% बताया। साथ ही कहा कि कुछ लोग ऐसी बातें उठा रहे हैं, जो कभी होने वाली ही नहीं हैं। दरअसल हाल ही में इस्तीफा देने वाले एंथ्रोपिक के एक पूर्व शोधकर्ता ने चेतावनी दी थी कि एआई कंपनियां ऐसी टेक्नोलॉजी बनाने की होड़ में हैं, जो इस दशक के अंत तक हम सभी को खत्म कर सकती हैं।

ट्रंप बोले- बेवजह डर फैलाया जा रहा है

आयरलैंड दौरे के दौरान ट्रंप ने कहा कि कुछ नकारात्मक ताकतें ऐसे मुद्दे उठा रही हैं, जिन्हें उठाना ही नहीं चाहिए। उनके मुताबिक, ये लोग उन

चीजों की बात कर रहे हैं जो कभी होंगी ही नहीं। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है, जब एआई की तेजी से बढ़ती ताकत को लेकर टेक्नोलॉजी जगत में गंभीर बहस चल रही है।

कर्मचारी ने कहा था- एआई हमें खत्म कर सकता है

हाल ही में एंथ्रोपिक के एक पूर्व शोधकर्ता जैकब कोवसन ने इस्तीफा देने के बाद चेतावनी दी थी कि एआई कंपनियां ऐसी तकनीक बनाने की दौड़ में लगी हैं, जो इस दशक के अंत तक हम सभी को मार सकती हैं। इस चेतावनी के बाद एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई से सवाल किया गया था। उन्होंने कहा था कि वह पूर्व कर्मचारी की बात से असहमत होने से ज्यादा सहमत हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि एंथ्रोपिक एआई विकास में अधिक जिम्मेदार भूमिका निभाने वाली कंपनी है। डारियो अमोदेई ने चेतावनी दी कि एआई मॉडल की क्षमता को बहुत तेजी से बढ़ाना लापरवाही भरा कदम है। उन्होंने कहा कि एआई के विकास की रफ्तार को कुछ हद तक धीमा करने की जरूरत है।

परकोटा गणेश मंदिर में गूंजे गणपति के जयकारे: 111 किलो मेहंदी का प्रसाद बांटा

निसं

जयपुर (नवयत्न)। चांदपोल स्थित परकोटा गणेश मंदिर में गणेश जन्मोत्सव के तहत धार्मिक आयोजनों की धूम जारी है। इसी कड़ी में सिंजारा मेहंदी उत्सव श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। महंत अमित शर्मा के सान्निध्य में आयोजित उत्सव के दौरान प्रथम पूज्य भगवान गणेश को विधिवत पूजा-अर्चना के साथ मेहंदी अर्पित की गई। इसके बाद 111 किलो मेहंदी श्रद्धालुओं में प्रसाद के रूप में वितरित की गई। सिंजारा उत्सव के दौरान मेहंदी का प्रसाद देने के लिए श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। बड़ी संख्या में भक्त मंदिर पहुंचे और भगवान गणेश के दर्शन कर चरणों में अपनी श्रद्धा अर्पित की। मंदिर परिसर में गणपति के जयकारे गूंजते रहे।

महिलाओं ने एक-दूसरे के हाथों में लगाई मेहंदी

उत्सव के दौरान महिला मंडल की ओर से मंदिर परिसर में बधाई गान का आयोजन किया गया। महिलाओं ने एक-दूसरे के हाथों में मेहंदी लगाकर सिंजारा उत्सव की खुशियां साझा कीं। इससे मंदिर परिसर में भक्ति के साथ उत्सव का माहौल भी नजर आया।

गणेश जन्मोत्सव के तहत लगातार आयोजन

गणेश जन्मोत्सव के तहत मंदिर में धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन लगातार किया जा रहा है।

सिंजारा उत्सव में श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या में मौजूदगी रही।



14 सितंबर को सजेगी सोने के वर्क और छपान भोग की झांकी

मंदिर में 14 सितंबर को गणेश जन्मोत्सव मनाया जाएगा। इस अवसर पर भगवान गणेश की सोने के वर्क से सजी विशेष झांकी सजाई जाएगी। साथ ही छपान भोग अर्पित किया जाएगा। जन्मोत्सव को लेकर मंदिर में विशेष तैयारियां की जा रही हैं।

इंडोनेशिया में 243 यात्रियों वाला जहाज डूबा 107 लोगों को बचाया गया, 6 की मौत

जकार्ता।

इंडोनेशिया में 243 लोगों को लेकर जा रहा एक यात्री जहाज रविवार को डूब गया। इसमें 6 की मौत हुई है। हादसे के बाद करीब 130 यात्री और कू मेंबर लापता बताए जा रहे हैं। विगों ट्रांसपोर्ट 8 नाम का यह जहाज पूर्वी जावा के सुराबाया से बोर्नियो द्वीप के बंजारामसिन जा रहा था। अधिकारियों ने सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। रेस्क्यू टीम ने जहाज की आखिरी लोकेशन की ओर कई जहाज और एक हेलिकॉप्टर भेजा है।

बंजारामसिन स्थित सच एंड रेस्क्यू ऑफिस के मुताबिक, जहाज में सफर के दौरान कम्युनिकेशन फेलियर हुआ था। इसके बाद उससे संपर्क नहीं हो सका। जहाज की आखिरी लोकेशन जावा सागर में बंजारामसिन के एक पियर से करीब 148 किलोमीटर दूर मिली है।

इंडोनेशिया में पहले भी हो चुके जहाज डूबने के हादसे

इंडोनेशिया में जहाज डूबने के कई बड़े हादसे हो चुके हैं। 1981 में तंपोमास-2 नाम का यात्री जहाज जावा सागर में डूब गया था। इसमें करीब 430 लोगों की मौत हुई थी।

2006 में सेनेगाली नुसंतारा नाम की यात्री फेरी खराब मौसम के दौरान जावा सागर में डूब गई थी। हादसे में 400 से ज्यादा लोग मारे गए या लापता हुए थे। 2007 में लेविना-1 फेरी में आग लगने के बाद डूब गई थी, जिसमें 50 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। 2018 में लेस्तारी माजू फेरी दक्षिण सुलावेसी के पास डूब गई थी। इसमें 36 लोगों की जान गई थी।



नहर के गणेशजी मंदिर में सजा मोदकों का दरबार



निर्स

जयपुर (नवयत्न)। ब्रह्मपुरी माउंट रोड स्थित नगर के अतिप्राचीन दाहिनी स्रंड दक्षिण मुखी श्री नहर के गणेश जी महाराज मंदिर में रविवार को सिंजारा उत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। शाम 5 बजे से आयोजित उत्सव में गणपति जी को विशेष लहरिया पोशाक और साफा धारण करवाया गया। इसके बाद असंख्य मोदकों की आकर्षक झांकी सजाई गई। मंदिर युवाचार्य पं मानव शर्मा ने बताया कि मंदिर महंत पं जय शर्मा के सान्निध्य में गणपति जी को हाथ से तैयार की गई विशेष लहरिया पोशाक एवं साफा धारण करवाया गया। इसके बाद भगवान गणेश को सिंजारे की मेहंदी अर्पित कर झांकी की आरती की गई।

श्रद्धालुओं को बांटा सिंदूर और मेहंदी का प्रसाद

शाम साढ़े 5 बजे से मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं को सुख-समृद्धि दायक नवीन चोले का सिंदूर और सौभाग्यदायक सिंजारे की मेहंदी वितरित की गई। श्रद्धालुओं ने इसे प्रसाद के रूप में ग्रहण किया। इस दौरान प्रेम भाया मंडल की ओर से भजनों का सरस गायन किया गयाए जिससे मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा।

आज गणेश चतुर्थी का महापर्व

मंदिर में सोमवार को गणेश चतुर्थी का महापर्व मनाया जाएगा। इसकी शुरुआत सुबह 5 बजे मंगला आरती से होगी। वहीं मंगलवार को ऋषि पंचमी का पारंपरिक आयोजन किया जाएगा।

देवधाम देवमाली की पैदल यात्रा पर संघ हुआ रवाना



अगित प्रजापत

सुजानगढ़ (नवयत्न)। गुर्जर समाज के आराध्य देव भगवान श्री देवनारायण के देवधाम देवमाली (मम्दा, अजमेर) के लिए विशाल पैदल यात्री संघ रवाना हुआ है। देवनारायण जयंती भादवा के पावन अवसर पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री देवनारायण भगवान मंदिर ट्रस्ट समिति सुजानगढ़ द्वारा पैदल यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। श्री देवनारायण मंदिर ट्रस्ट समिति सुजानगढ़ अध्यक्ष नरेंद्र गुर्जर ने बताया कि भगवान देवनारायण के जयकारों के साथ सैकड़ों श्रद्धालु पैदल यात्रा के लिए रवाना हुए। डीजे पर चल रहे भजनों पर श्रद्धालु नाचते हुए रवाना हुए। यात्रा के दौरान जगह-जगह स्वागत एवं प्रसादी की व्यवस्था की गई है। यात्रा संयोजक दौलत भाटी व सहसंयोजक मुकेश बोकण ने बताया कि यह 20वीं फेरी है।

मोती डूंगरी गणेश मंदिर में सिंजारा की मेहंदी के लिए उमड़ा जनसैलाब

मेहंदी के प्रसाद के लिए कई घंटों कतार में लगे रहे श्रद्धालु



निर्स

जयपुर (नवयत्न)। गणेश चतुर्थी से एक दिन पहले रविवार को मोतीडूंगरी गणेश मंदिर में सिंजारा महोत्सव के दौरान भगवान गणेश को अर्पित की जाने वाली मेहंदी लेने के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। सोशल मीडिया पर वायरल रील्स में सिंजारा की मेहंदी को लेकर विवाह के संयोग बनने की मान्यता का दावा किए जाने के बाद जयपुर के अलावा दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों से श्रद्धालु जयपुर पहुंचे। कई लोग शनिवार रात से ही मंदिर के आसपास डेरा डाले हुए थे। सुबह मंदिर खुलने के साथ भीड़ बढ़ती गई। मंदिर के बाहर कतारें एमडी रोड और जेएलएन मार्ग तक पहुंच गईं। भीड़ के चलते गणेश चतुर्थी के लिए प्रस्तावित यातायात डावलर्जन भी एक दिन पहले लागू करना पड़ा। जेडीए सर्किल सहित आसपास के क्षेत्रों में बैरिकेडिंग की गई। मेहंदी लेने के लिए श्रद्धालुओं में कई जगह धक्का-मुक्की की स्थिति भी बनी। पुलिसकर्मियों को भीड़ नियंत्रित करने में मशकत करनी पड़ी।

भगवान गणेश का विशेष श्रृंगार किया गया।
चांदी के सिंहासन को विराजित गणेशजी को विशेष पोशाक, नीलखा हार और स्वर्ण मुकुट धारण कराया गया। यह स्वर्ण मुकुट साल में केवल गणेश चतुर्थी के अवसर पर धारण कराया जाता है। मोती, सोना, पन्ना और माणक से तैयार नीलखा हार महंत परिवार ने करीब तीन महीने में तैयार किया है।
आज गणेश जन्मोत्सव, रात 11:40 बजे तक दर्शन
गणेश चतुर्थी पर 14 सितंबर को भगवान गजानन का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। मंगला आरती सुबह 5 बजे होगी और शयन आरती रात 11:40 बजे होगी। विशेष पूजन सुबह 11:20 बजे, श्रृंगार आरती 11:30 बजे, भोग आरती दोपहर 2:15 बजे और संध्या आरती शाम 7 बजे होगी। भोग के दौरान दोपहर 1:30 से 2 बजे तक मंदिर के पट मंगल रहेंगे। इसके बाद श्रद्धालु पुनः दर्शन कर सकेंगे।
बुजुर्ग और दिव्यांगों के लिए 100 ई-रिक्शा
गणेश चतुर्थी पर श्रद्धालुओं के लिए एमडी रोड, जेएलएन मार्ग और तख्तेशाही रोड से मंदिर की ओर प्रवेश व्यवस्था रहेगी। बुजुर्गों और निशक्तजनों की सुविधा के

भाजपा प्रदेशभर में विविध सेवा प्रकल्पों के माध्यम से आमजन तक पहुंचाएगी जनहितैषी योजनाएं

निर्स

जयपुर (नवयत्न)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से भारतीय जनता पार्टी प्रदेशभर में एक माह का सेवा संकल्प अभियान चलाएगी। अभियान 17 अक्टूबर तक चलेगा। इसके तहत संगठन और सरकार के स्तर पर प्रदेश से लेकर बृथ तक विभिन्न सेवा प्रकल्प और कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पत्रकार वार्ता में बताया कि अभियान के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर देश के प्रधानमंत्री तक 25 वर्ष के राजनीतिक सेवा कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाया जाएगा। राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जीवन राष्ट्रभक्ति, सेवा, परोपकार, साहस और दृढ़ निश्चय से जुड़ा रहा है। इस बार भाजपा



सेवा पखवाड़े के बजाय पूरे एक माह तक विविध कार्यक्रम आयोजित करेगी। अभियान में प्रदेश स्तर के कार्यक्रमों के साथ मंत्री, जनप्रतिनिधि और संगठन के पदाधिकारी भाग लेंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश को 25 वर्ष सेवा, सुशासन और जनकल्याण के दिए हैं। वे अपना जन्मदिन सेवा दिवस के रूप में मनाते हैं। इसी भावना के तहत 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक

विविध प्रकल्पों के माध्यम से केंद्र और राज्य सरकार की जनहितैषी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का राजस्थान से विशेष लगाव रहा है। गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने बिना मांग के राजस्थान को नर्मदा का पानी देने का काम किया था। मुख्यमंत्री ने बताया कि अभियान का शुभारंभ 17 सितंबर को आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम से होगा। शाम 7 बजे दीया जलाया

भजनों पर देर रात तक झूमे श्रद्धालु



अगित प्रजापत

सुजानगढ़ (नवयत्न)। स्थानीय श्री सिद्धि गणेश सेवा समिति द्वारा आयोजित 34 वें गणेश चतुर्थी महोत्सव के दूसरे दिवस पूजा में मुख्य यजमान पवन मौसुण, सहदेव कडेल, रमेश स्वामी, सुरेश अरोड़ा, गिरधारी गांगिड़ ने सपत्नीक पूजा अर्चना की। रात्रि कालीन आरती के बाद गोलू सुदामा एंड पार्टी अलवर द्वारा बाल हनुमान, बाहुबली हनुमान गणेश परिवार की झांकियो ने मन मोह लिया। सोमवार सुबह भगवान

श्री सिद्धि गणेश का 151 किलो दूध से दुग्धाभिषेक किया जाएगा और दोपहर 12 बजे मोदक का भोग लगा कर जन्मोत्सव मनाया जाएगा। रात्रि में विशाल जागरण का आयोजन किया गया, जिसमें आशा वैष्णव ने अपने मधुर भजनों से भक्तों का मन मोह लिया। कार्यक्रम 13 दिन तक चलेगा। अध्यक्ष अरविंद सोनी ने बताया कार्यक्रम को सफल बनाने में हर्ष सोनी, भास्कर अरोड़ा, अभिषेक पारीक, अशोक सोनी, अनिल प्रजापत, कन्हैयालाल दाधिच आदि लगे हुए हैं।

नशा मुक्त भारत अभियान को मिलेगी नई गति, बोध का केंद्र के साथ दो साल का एमओयू

निर्स

जयपुर (नवयत्न)। नशे की बढ़ती समस्या के खिलाफ जागरूकता, रोकथाम और नशा मुक्ति के प्रयासों को प्रभावी बनाने की दिशा में दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान (डीजेजेएस) के बोध-नशा उन्मूलन कार्यक्रम ने भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के साथ दो वर्ष के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) किया है। यह समझौता नशा मुक्त भारत अभियान के तहत किया गया है। डीजेजेएस जयपुर की संयोजिका साध्वी लोकेशा भारती ने बताया कि यह साझेदारी देश में नशे की रोकथाम और नशा मुक्ति के प्रयासों को व्यापक स्तर पर मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। बोध कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं सहित समाज के विभिन्न वर्गों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जाएगा। साथ ही नशे से दूर रहने के



लिए सकारात्मक और सशक्त वातावरण तैयार करने पर जोर दिया जाएगा। एमओयू के अवसर पर बोध-नशा उन्मूलन कार्यक्रम की रोलबल कोऑर्डिनेटर साध्वी शिल्पा भारती के साथ गौरव गुप्ता और गौरव सारंग ने संस्थान का प्रतिनिधित्व किया। वहीं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की ओर से सचिव सुधांशु पंत, निदेशक आधिकारिक कुमार पांडेय तथा ड्रा प्रिवेंशन एंड प्लानिंग इंडीवन के संयुक्त सचिव डॉ सदीप आर. राठौड़ की मौजूदगी में समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस साझेदारी

के माध्यम से नशे की रोकथाम, जन-जागरूकता और नशा मुक्ति से जुड़े प्रयासों को नई दिशा देने का प्रयास किया जाएगा। सरकारी प्रयासों के साथ सामाजिक संस्थाओं की सहभागिता को मजबूत कर नशा मुक्त भारत के लक्ष्य को आगे बढ़ाने पर जोर रहेगा। इस अवसर पर पुंज्य आशुतोष महाराज के शिष्य अश्वनी शर्मा (अखंड भारत मिशन) ने कहा कि यह पहल नशा मुक्ति के क्षेत्र में सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। नशा केवल व्यक्ति के

स्वास्थ्य को प्रभावित नहीं करता, बल्कि उसके परिवार और पूरे समाज पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। उन्होंने कहा कि सरकार, सामाजिक संस्थाओं और समाज के सामूहिक प्रयासों से नशे के खिलाफ जागरूकता को व्यापक स्तर तक पहुंचाया जा सकता है। विशेष रूप से युवाओं को नशे से दूर रखने और उन्हें स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली के लिए प्रेरित करने में ऐसे प्रयास महत्वपूर्ण साबित होंगे। यह साझेदारी स्वस्थ, सशक्त और नशा मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

नाबालिग का अपहरण व दुष्कर्म करने वाला आरोपी 12 घंटे में गिरफ्तार

निर्स

चूरू (नवयत्न)। जिले के भालेरी थाना क्षेत्र से नाबालिग बालिका का कथित रूप से अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने के मामले में चूरू पुलिस ने तत्परा दिखाते हुए घटना के महज 12 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को नाबालिग के साथ वाहन सहित चूरू शहर में प्रवेश करने से पहले ही दस्तयाव कर लिया। जिला पुलिस अधीक्षक चूरू निश्चय प्रसाद एम आईपीएस ने प्रेसवार्ता में बताया कि 12 सितंबर की सुबह दूरभाष के माध्यम से भालेरी पुलिस को सूचना मिली कि एक कार में कोई अज्ञात व्यक्ति एक लड़की का अपहरण कर उसे चूरू की तरफले जा रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए भालेरी थाना पुलिस ने तत्काल जिले में नाकाबंदी करवाई। नाकाबंदी के दौरान कोतवाली चूरू थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को कस्बे में प्रवेश करने से पहले ही



नाबालिग के साथ वाहन सहित पकड़ लिया। सूचना मिलने पर पीड़िता के परिजन भी मौके पर पहुंचे। बाद में परिजनों की ओर से भालेरी थाने में नाबालिग के अपहरण और उसके साथ दुष्कर्म की रिपोर्ट दी गई। पुलिस ने इस प्रकरण में 12 सितंबर के तहत बीएनएस की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया।

मेडिकल जांच व साक्ष्य जुटाए

मामले की गंभीरता को देखते हुए अनुसंधान अति. पुलिस अधीक्षक एसआईयूसीएडब्ल्यू चूरू डॉ कृष्णा सामरिया के निर्देशन में शुरू किया गया। पुलिस के अनुसार पीड़िता का मेडिकल मुआयना करवाकर आवश्यक चिकित्सकीय उपचार उपलब्ध करवाया गया। पीड़िता

एवं गवाहों से अनुसंधान किया गया तथा मोबाइल फॉरेंसिक यूनिट चूरू के माध्यम से भी आवश्यक साक्ष्य संकलित करवाए गए। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

घटनास्थल की तस्दीक के दौरान भागने का प्रयास

पुलिस के अनुसार 13 सितंबर को आरोपी को सूचना के आधार पर नाबालिग को जिस स्थान पर ले जाकर कथित दुष्कर्म किया गया था, उस स्थान की तस्दीक करवाई जा रही थी। इसी दौरान आरोपी ने पुलिस अभिरक्षा से भागने का प्रयास किया।

भापते समय वह वहां पड़े पथरों के बीच गिर गया, जिससे उसके पैर में चोटें आईं। चोट लगने के बाद आरोपी को उपचार के लिए राजकीय अस्पताल तारानगर रवाना किया गया। पुलिस का कहना है कि मामले में अनुसंधान अभी जारी है तथा प्रकरण से जुड़े अन्य तथ्यों और साक्ष्यों की जांच की जा रही है।

संत भोलागिरी की 111वीं जयंती पर 111 पौधों का रोपण

नवरतन वर्मा

रतनगढ़ (नवयत्न)। रतनगढ़ में भारत विकास परिषद्, शाखा की प्रेरणा एवं धानुका एग्रीटेक लिमिटेड, नई दिल्ली के आर्थिक सौजन्य से संत भोलागिरी की 111वीं जयंती के अवसर पर खटीक समाज मुक्ति धाम में विभिन्न प्रजातियों के 111 पौधे लगाए गए। इस अवसर पर परिषद् पदाधिकारियों एवं समाजजनों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। पौधों की सुरक्षा एवं नियमित देखभाल की जिम्मेदारी खटीक समाज के दौलतराम दायमा एवं उनकी टीम ने ली।



उपस्थितजनों ने कहा कि पौधरोपण के साथ-साथ पौधों का संरक्षण एवं उनका वृक्ष के रूप में विकसित होना ही इस अभियान की वास्तविक सफलता है। कार्यक्रम में भारत विकास परिषद्, शाखा रतनगढ़ के संरक्षक वासुदेव चाकलान,

अध्यक्ष परमेश्वरलाल आत्रेय, सचिव डॉ जयकांत बॉवाल, पूर्व अध्यक्ष सत्यनारायण टेलर, कैलाश आत्रेय, भंवरलाल टेलर, मन्नीराम पंवार, रामचंद्र दायमा, मूलाराम तोसावड़ा, कालूराम तिसवाड़ा एवं श्रीराम सखिला सहित समाजजन उपस्थित रहे।